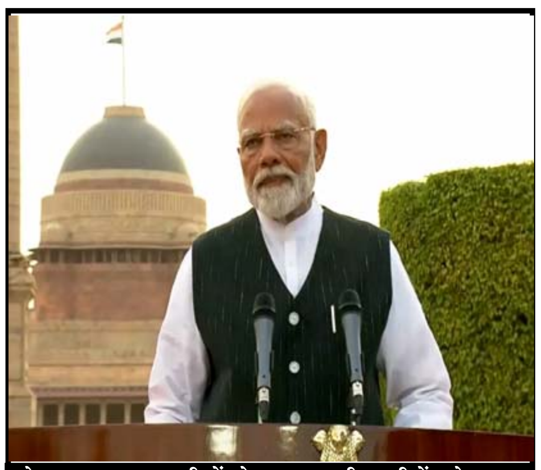

लोकसभा चुनाव नतीजों से भाजपा की उम्मीदों को करारा झटका लगा। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने 240 सीटें हासिल की ।मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं, लेकिन इस बार उन्हें गठबंधन सरकार का नेतृत्व करना पड़ेगा।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 36 दिनांक:09-06-2024 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

नीट यूजी रिजल्ट पर बढ़ते विवाद को देखते हुए भारत के शिक्षा विभाग की ओर से प्रेस क्रॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस में नीट यूजी रिजल्ट में गड़बड़ी से जुड़े सभी आरोपो पर सफाई दी गई और देशभर से उठ रहे सवालों के जवाब दिए गए।

आज तीसरी बार पीएम की शपथ लेंगे मोदी

- सहयोगी दलों के 18 सांसद ले सकते हैं मंत्री पद की शपथ, जिसमें 7 कैबिनेट, 11 स्वतंत्र प्रभार और राज्यमंत्री

-सुरक्षा के कड़े इंतजाम- पैरामिलिट्री फोर्स की पांच कंपनियां तैनात

-पूरे नई दिल्ली इलाके में धारा 144 लागू, नो फ्लाइंग जोन घोषित

नई दिल्ली (ईएमएस)। नरेंद्र मोदी की 3.0 सरकार का शपथ ग्रहण रविवार शाम को होने वाला है। इस बार भाजपा को बहुमत नहीं मिला है। सरकार चलाने के लिए उसे अब एनडीए के अपने सहयोगियों पर निर्भर रहना होगा। रविवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शपथ लेने वाले मंत्रियों की लिस्ट पर भी इसका असर देखा जा सकता है। अब इस बार यह देखना होगा कि मोदी सरकार की नए कैबिनेट में कौन-कौन से नए चेहरे होंगे। इस बार यह साफ है कि टीडीपी और जेडीयू के नेताओं को भी तवज्जो दी जाएगी। सूत्रों का कहना है कि मोदी के साथ एनडीए के 14 सहयोगी दलों के 18 सांसद भी मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। इनमें 7 कैबिनेट और बाकी 11 स्वतंत्र प्रभार और राज्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं। नरेंद्र मोदी रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। यह शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन में होगा। दिल्ली पुलिस इसकी तैयारियों में जुटी है। शपथ ग्रहण समारोह को देखते हुए दिल्ली पुलिस की ओर से 9 और 10 जून के लिए कई पाबंदियां भी लगाई गई हैं।

माना जा रहा है 3 दर्जन से अधिक सांसद मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। टीडीपी और जदयू से 2-2 और शिवसेना से एक कैबिनेट मंत्री बन सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि इसके अलावा एनसीपी, एलजीपी और जेडीएस के कोटे से कैबिनेट मंत्री शपथ ले सकते हैं। टीडीपी के एक सांसद ने बताया कि किस दल से कितने मंत्री बनाए जाएंगे, इसका फॉर्मूला पहले ही तय किया जा चुका है। इसको लेकर सार्वजनिक रूप से किसी तरह की चर्चा करने की कोई जरूरत नहीं है। सभी इस बात पर सहमत हैं कि पीएम जिसे जो जिम्मेदारी देंगे, वे उसे निभाएंगे।

टीडीपी-जदयू की 10 मंत्रालयों पर नजर

खबरों के मुताबिक चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और नीतीश कुमार के जदयू की नजर 10 मंत्रालयों पर टिकी है। चिराग पासवान की एलजेपीऔर शिंदे की शिवसेना कम से कम 2-2 मंत्री बनाना चाहते हैं। इसके अलावा आरएलडी, अपना दल जैसे अन्य छोटे दलों को भी मंत्री पद की उम्मीद है। सहयोगियों की मांग चाहे जितनी हो, लेकिन हमारी कैलकुलेशन के मुताबिक मोदी 3.0 मंत्रिपरिषद में 12 से 15 मंत्री-पद ही सहयोगी दलों को मिल सकते हैं।

भागीदारी के लिहाज से रेशियो

मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में अधिकतम 71 मंत्री और दूसरे कार्यकाल में अधिकतम 72 मंत्री थे। मोदी 3.0 कैबिनेट में भी मंत्रियों की संख्या 70 के आस-पास होगी। इस हिसाब से भाजपा के 60 मंत्री, टीडीपी के 4 मंत्री, जदयू के 3 मंत्री और एलजेपी के 2 मंत्री होने चाहिए। इसके अलावा शिवसेना और अन्य छोटी-छोटी पार्टियों को भी 3-5 सीटें मिल सकती हैं। यानी मोदी मंत्रिपरिषद में सहयोगी दलों को 12-15 मंत्री पद होने चाहिए। अब इसमें मंत्रियों की 4 कैटेगरी के मुताबिक नेगोशिएशन होगा। यानी अगर सहयोगियों को कैबिनेट मंत्री ज्यादा मिले तो कुल संख्या कम हो सकती है और अगर राज्यमंत्री ज्यादा मिले तो कुल संख्या बढ़ सकती है।

मंत्री पद भाजपा कोटे से घटेंगे

दरअसल, संविधान के आर्टिकल 75 के मुताबिक मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की संख्या लोकसभा के कुल सदस्यों की संख्या के 15 प्रतिशत से ज्यादा नहीं हो सकती। लोकसभा में 543 सदस्य हैं। उसका 15 प्रतिशत यानी मोदी मंत्रिपरिषद में अधिकतम 81 मंत्री हो सकते हैं। अगर भाजपा मंत्रियों की संख्या मैक्सिमम कर लेती है तो भाजपा कोटे को ज्यादा डेंट नहीं लगेगा। अगर मंत्रियों की संख्या 70 के आस-पास रहती है तो भाजपा कोटे के करीब 15 मंत्री घटेंगे। सरकारें आमतौर पर मंत्रिपरिषद की मैक्सिमम लिमिट तक नहीं जाती हैं।

500 सीसीटीवी से निगरानी

शपथ ग्रहण समारोह को देखते हुए राष्ट्रपति भवन और उसके आसपास कंट्रोल एरिया बनाया जाएगा। पुलिस अधिकारियों की मानें तो इस दौरान कई लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रपति भवन की सुरक्षा में पैरामिलिट्री फोर्स की पांच कंपनियां तैनात की जाएंगी। इसके अलावा ऊंची इमारतों पर हस्त्र कमांडो, ड्रोन और स्नाइपर्स भी तैनात किए जाएंगे। शपथ ग्रहण समारोह में कई विदेशी मेहमान भी शामिल होंगे। ऐसे में पूरी राजधानी हाई अलर्ट पर रहेगी। विदेशी मेहमानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी खुफिया एजेंसियों के कंधों पर होगी। हर राष्ट्राध्यक्ष के प्रोटोकॉल के मुताबिक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा जिन होटलों में विदेशी मेहमान रुकेंगे, उनकी सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक राष्ट्रपति भवन के आसपास संसद मार्ग, रफी मार्ग, रायसीना रोड, राजेंद्र प्रसाद रोड, मदर टेरेसा क्रिसेंट, सरदार पटेल मार्ग पर कार्यक्रम के दौरान सिर्फ उन्हीं वाहनों को प्रवेश की अनुमति होगी जिनके पास पास होंगे। पुलिस के मुताबिक इस कार्यक्रम की निगरानी 500 से ज्यादा सीसीटीवी से की जाएगी। शपथ ग्रहण समारोह को देखते हुए दिल्ली पुलिस की ओर से 9 और 10 जून के लिए कई पाबंदियां भी लगाई गई हैं। दिल्ली को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया गया है। इस दौरान पूरी दिल्ली में पैराग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग ग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, रिमोट कंट्रोल्ड एयरक्राफ्ट जैसे सब-कन्वेंशनल एरियल प्लेटफॉर्म की उड़ान पर रोक लगा दी गई है।

यूएन ने इजराइल को ब्लैकलिस्ट किया

न्यूयार्क(ईएमएस)। गाजा में हमलों के बीच इजराइल पर लग रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों को देखते हुए ह ने उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल के अलावा हमास और फिलिस्तीनी जिहाद को लिस्ट ऑफ शेम (शर्मनाक सूची) में शामिल किया है। यूएन सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेस के ऑफिस ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट के साथ यह लिस्ट फाइनल की। इसके बाद इजराइल के राजूदत गिलाद एर्दन को इसकी जानकारी दी गई। जंग के बीच गाजा में बच्चों पर हो रहे जुल्म को देखते हुए यह फैसला किया गया है। यह पहली बार है, जब इजराइल और हमास को इस लिस्ट में जोड़ा गया है।

नीट रिजल्ट: जांच के लिए कमेठी गठित, 1500 से अधिक उम्मीदवारों के अंकों की होगी समीक्षा

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को नीट-यूजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में अंकों में वृद्धि के आरोपों के बीच घोषणा की है कि शिक्षा मंत्रालय ने 1,500 से अधिक उम्मीदवारों को दिए ग्रेस मार्क्स की समीक्षा के लिए 4 सदस्यीय पैनल का गठन किया है। नीट यूजी रिजल्ट में गड़बड़ी के आरोपों के चलते एनटीए ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी आरोपों पर स्पष्टीकरण दिया।

एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह ने कहा, 1,500 से अधिक उम्मीदवारों के परिणामों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है। यूपीएससी के पूर्व अध्यक्ष की अध्यक्षता वाली 4 सदस्यीय समिति एक सप्ताह के भीतर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी और इन उम्मीदवारों के परिणामों में संशोधन किया जा सकता है।

एनटीए ने कहा कि एनसीईआरटी की पाठयपुस्तकों में किए गए बदलाव और परीक्षा केंद्रों पर समय गंवाने के लिए ग्रेस मार्क्स छात्रों के अधिक अंक लाने के कुछ कारण थे। सिंह ने परीक्षा में किसी भी पेपर लीक और अनियमितताओं से इनकार किया। उन्होंने कहा, अनुग्रह अंक दिए जाने से परीक्षा के योग्यता मानदंडों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है और प्रभावित उम्मीदवारों के परिणामों की समीक्षा से प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या कुछ छात्रों के लिए परीक्षा फिर से आयोजित की जाएगी, एनटीए महानिदेशक ने कहा, यह समिति की सिफारिशों के आधार पर तय किया जाएगा। नीट यूजी 2024 के परिणाम में अंकों की वृद्धि से इस वर्ष मेडिकल स्कूल में स्थान प्राप्त करना और भी कठिन हो जाएगा। कुछ इच्छुक छात्रों ने परिणाम रद्द करने और फिर से परीक्षा कराने की मांग के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का रुख किया है।

अखिलेश यादव विधानसभा सीट छोड़ेंगे

अब दिल्ली की राजनीति करेंगे

लखनऊ(ईएमएस)। कन्नौज से सांसद का चुनाव जीतने के बाद अखिलेश यादव ने अपनी विधानसभा करहल को छोड़ने का निर्णय लिया है। इसकी घोषणा उन्होंने सांसदों से मीटिंग के बाद शनिवार को लखनऊ में की। यानी, अब अखिलेश दिल्ली की राजनीति करेंगे। अखिलेश ने 2022 में मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। जीत के बाद आजमगढ़ के सांसद पद से उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। आजमगढ़ में उपचुनाव हुए, उसमें भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ ने जीत दर्ज की थी।

अखिलेश ने सपा के सभी जीते हुए सांसदों को शनिवार को लखनऊ बुलाया। इसमें अखिलेश समेत 37 सांसद शामिल हुए। मीटिंग में मंथन के बाद उन्होंने विधानसभा सीट छोड़ने का ऐलान किया।

रामोजी ग्रुप के चेयरमैन रामोजी राव का निधन

हैदराबाद (ईएमएस)। मीडिया पर्सनैलिटी और रामोजी ग्रुप के चेयरमैन रामोजी राव का शनिवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने हैदराबाद के स्टार हॉस्पिटल में 87 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। रामोजी 5 जून से आईसीयू में भर्ती थे। वे हार्ट से जुड़ी दिक्कतों से जूझ रहे थे। रामोजी राव का पार्थिव शरीर रामोजी फिल्म सिटी में उनके आवास पर रखा गया है। यहां उनके परिवार, दोस्त और प्रशंसक उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी। तेलंगाना सरकार ने राजकीय सम्मान के साथ रामोजी राव का अंतिम संस्कार करने की घोषणा की है।

योगी ने ली बैठक....दोनों डिप्टी सीएम नदारद

होने लगी सियासी चर्चा

लखनऊ (ईएमएस)। यूपी में लोकसभा चुनाव में भाजपा की करारी हार के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा ने यूपी लोकसभा की सीटों पर मिली हार पर मंथन करना शुरु कर दिया है। संगठन के लोग आंतरिक सर्वे कर हार की सही वजह भी तलाश रहे हैं।

लेकिन इस बीच बड़ी खबर लखनऊ से आई जहां सीएम योगी की बैठक में प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम नदारद रहे। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य सीएम योगी की बैठक में दिखाई नहीं दिए। इसके बाद से ही सियासी अटकलें तेज हो गई हैं।

बताया जा रहा है कि यूपी के दोनों डिप्टी सीएम दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। बता दें कि बीते शुक्रवार को दिल्ली में भाजपा-एनडीए के नेताओं की बैठक थी। इसलिए दोनों डिप्टी सीएम दिल्ली गए हुए थे। वहां से दोनों वापस नहीं लौटे और दिल्ली में ही रुके हुए हैं। बताया जा रहा है कि दोनों डिप्टी सीएम पीएम मोदी की शपथ समारोह में शामिल होने वाले हैं।

सोनिया गाँधी बनी कांग्रेस की संसदीय दल की नेता

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस संसदीय दल की आज संसद के सेंट्रल हॉल में बैठक हुई। इस बैठक में सोनिया गांधी को पार्टी के संसदीय दल का नेता चुन लिया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोनिया गांधी के नाम का प्रस्ताव पेश किया, जिसे पार्टी के नेताओं ने एकमत से स्वीकार कर लिया। सोनिया गांधी (77 वर्षीय) इस साल फरवरी में राज्यसभा के लिए चुनी गईं थी। कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में सोनिया गांधी ने कहा, कांग्रेस ने एक बार फिर अपनी दृढ़ता का परिचय दिया है। यह एक शक्तिशाली और दुर्भावनापूर्ण मशीनरी के खिलाफ थी। कई लोगों ने हमें खारिज कर दिया, लेकिन मल्लिकार्जुन खरगे के दृढ़ नेतृत्व में हम डटे रहे। उन्होंने कहा, भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा वास्तव में ऐतिहासिक आंदोलन रहा। इसमें सभी स्तरों पर हमारी पार्टी को पुनर्जीवित किया।

- राहुल गांधी की तारीफ की

सोनिया गांधी ने बैठक के दौरान राहुल गांधी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अभूतपूर्व व्यक्तिगत, राजनीतिक हमलों से लड़ने के लिए राहुल, दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के लिए विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा, संसद में कांग्रेस की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारत के सहयोगियों की ताकत से भी हमें बल मिला है। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के संबंध में सोनिया ने कहा, हमें उन राज्यों में अपनी स्थिति सुधारने पर भी विचार करना चाहिए, जहां हमारा प्रदर्शन हमारी अपेक्षाओं से काफी कम रहा है। सोनिया गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वह जनादेश खो दिया है, जिसकी उन्हें तलाश थी। इसलिए उन्होंने नेतृत्व का अधिकार भी खो दिया है। केवल अपने नाम पर जनादेश मांगने वाले पीएम मोदी को राजनीतिक और नैतिक हार का सामना करना पड़ा। विफलता की जिम्मेदारी लेने के बजाय, वह कल फिर से शपथ लेने का इरादा रखते हैं। कांग्रेस संसदीय दल का अध्यक्ष चुने जाने पर सोनिया गांधी ने चुनावी नतीजों पर कहा, हमारे लिए अपने देश में संसदीय लोकतंत्र स्थापित करने और संसदीय राजनीति को पटरी पर लाने का नया अवसर है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सोनिया गांधी के संसदीय दल की नेता चुने जाने पर कहा कि यह हम सभी के लिए भावुक करने वाला पल था। वह एक बार फिर संसदीय दल की नेता की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। इससे पहले कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक भी आज हुई, जिसमें एकमत होकर पार्टी के नेताओं ने राहुल गांधी से लोकसभा में नेता विपक्ष का पद संभालने की अपील की। राहुल गांधी ने इस पर कहा है कि वह इस पर विचार करेंगे।

आईआईटी के 37 छात्रों ने की 5 वर्षों में आत्महत्या

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले 5 वर्षों में आईआईटी के 37 छात्रों द्वारा आत्महत्या की गई है। 2019-20 से लेकर 2023 24 तक आईआईटी हैदराबाद के 7 छात्रों ने,आईआईटी मद्रास के 7 छात्रों ने, आईआईटी दिल्ली के 6 छात्रों ने, आईआईटी बीएचयू के 4 छात्रों ने, आईआईटी कानपुर के 3 छात्रों ने, तथा आईआईटी खड़गपुर के 3 छात्रों ने आत्महत्या करके अपना जीवन समाप्त किया है।

सूचना अधिकार कानून के कार्यकर्ता विवेक पांडे ने जो जानकारी दी है। उसके अनुसार आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी धनबाद के 2-2 छात्रों ने, आत्महत्या की है। आईआईटी रुड़की और आईआईटी धारवाड़ तथा आईआईटी गांधीनगर में भी एक-एक छात्र ने आत्महत्या की है।

आईआईटी में प्रवेश लेने के लिए छात्रों द्वारा काफी मेहनत की जाती है। जब उनका आईआईटी में प्रवेश हो जाता है। इसे बहुत बड़ी सफलता माना जाता है। इतने कुशाग्र बुद्धि के छात्र-छात्राएं यदि पढ़ाई के दौरान आत्महत्या कर लें, तो इसके कोई ना कोई कारण तो जरूर होंगे। केंद्र सरकार और आईआईटी जैसे शिक्षण संस्थानों को इस दिशा में विचार करने की जरूरत है। ऐसे कौन से कारण है, जिनके कारण छात्र आत्महत्या कर लेते हैं।

मनोज जारंगे फिर आमरण अनशन पर बैठे

मुंबई (ईएमएस)। मराठा आरक्षण की मांग का मुद्दा एक बार फिर उठ गया है। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे फिर से आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। उनका कहना है कि अगर इस बार मराठा आरक्षण नहीं मिला तो वे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि अगर हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो हम आने वाले विधानसभा चुनाव में सभी 288 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। इसमें सभी जाति और धर्म के उम्मीदवार शामिल होंगे। तो इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। उसके बाद, सरकार के पास बात करने के लिए कोई जगह नहीं होगी। मनोज जरांगे पाटिल जालना के अंतरवाली सैराट गांव में आमरण अनशन पर बैठे हैं।

हालांकि, पुलिस ने उन्हें अनशन की इजाजत नहीं दी है। लोकसभा चुनाव से पहले भी दो बार (20-27 जनवरी और 10-26 फरवरी) मनोज जारंगे ने भूख हड़ताल की थी। तब महाराष्ट्र सरकार ने कुछ शर्तें मानकर अनशन खत्म करवा दिया था।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष बनेंगे राहुल गांधी!

रायबरेली या फिर वायनाड पर अगले 72 घंटे में हो जाएगा फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस कार्य समिति ने पार्टी नेता राहुल गांधी को सर्वसम्मति से लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाने का प्रस्ताव पारित किया और कहा कि गांधी ही लोकसभा में पार्टी के मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठा सकते हैं।

गांधी ने कहा है कि वह कार्यसमति के निर्णय पर बहुत जल्द फैसला लेंगे। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा पार्टी के संचार विभाग प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को कार्य समिति की बैठक के बाद पार्टी मुख्यालय में हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कार्य समिति ने गांधी को विपक्ष का नेता बनने का प्रस्ताव पारित किया है। उम्मीद है कि राहुल गांधी प्रस्ताव को स्वीकार कर लेंगे।

वेणुगोपाल ने कहा कि कार्य समिति ने सर्वसम्मति से राहुल गांधी से लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद संभालने का अनुरोध किया है। गांधी इसके लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं और वह संसद में पार्टी के मुद्दों को शिद्दत के साथ उठाने और पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा कि कार्य समिति की बैठक में उत्साह का माहौल था और सभी नेता लोक सभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन से उत्साहित थे। नेताओं के मूड से लग रहा था कि उन्हें भरोसा हो गया है कि कांग्रेस का पुनरुद्धार का कार्य अब शुरू हो गया है।

10 साल से नेता प्रतिपक्ष का पद खाली

लोकसभा में पिछले 10 साल से नेता प्रतिपक्ष का पद खाली है। 2014 में कांग्रेस को 44 सीटें और 2019 में 52 सीटें मिली थीं। भाजपा के बाद सबसे ज्यादा सीटें कांग्रेस को मिली थीं। फिर भी कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी नहीं मिली थी। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए किसी भी पार्टी के पास लोकसभा की कुल सीटों का 10 प्रतिशत सीटें होना चाहिए। यानी 543 सीटों में से कांग्रेस को इसके लिए 54 सांसदों की जरूरत होती है। कांग्रेस ने इस बार अपने दम पर 99 सीटें हासिल की हैं।

रायबरेली या फिर वायनाड चार दिन में होगा फैसला

गांधी रायबरेली या वायनाड में से अपने पास कौन सी सीट रखेंगे उन्होंने कहा कि इस बारे में तीन-चार दिन में फैसला लिया जाएगा। जनता दल-यू अध्यक्ष तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इंडिया समूह की तरफ से प्रधानमंत्री बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

365 दिन लोगों के बीच रहना होगा

बैठक में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरग ने इस बात पर जोर दिया कि सत्ता में हो या नहीं, हमें निरंतर काम करते रहना है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे, 365 दिन लोगों के बीच रहना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति देशभर में फैले कांग्रेस पार्टी के नेताओं और करोड़ों कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करती है, जिन्होंने पिछले कुछ महीनों में अथक परिश्रम किया। मैं आपकी दृढ़ इच्छा शक्ति, संकल्प और परिश्रम के लिए बधाई देता हूं।

इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों की तारीफ की

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने इंडिया गठबंधन के साथी दलों की सराहना भी की। कहा कि खास तौर पर अपने साथी दलों की प्रशंसा करना चाहूंगा। विभिन्न राज्यों में सभी सहयोगी दलों ने अहम भूमिका निभाई, हर पक्ष ने यथासंभव योगदान दिया। एक स्वर में साथ रहे। इंडिया गठबंधन के साथियों के साथ हम संसद और संसद केबाहर एकजुट होकर और मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन अहम मुद्दों पर हम चुनाव अभियान में गए वे आम जनता के सरोकार के मुद्दे हैं। इसलिए वे हमेशा हमारी ध्यान में रहेंगे। संसद और संसद के बाहर जनता के इन सवालों को हम लगातार उठाते रहेंगे। हम जनमत को विनम्रता से स्वीकार करते हैं। देश की जनता के एक बड़े तबके ने हम पर भरोसा किया है। हम उनका भरोसा बरकरार रखने के लिए सभी संभव प्रयास करेंगे। हमें अनुशासित रहना है। हमें एकजुट रहना है।

हार का पूरा ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ने लगी आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली(ईएमएस)। सियासी गठबंधनों की ये परंपरा रही है कि चुनाव जीते तो ठीक, नहीं तो हार का ठीकरा एक दूसरे पर फोड़ने में देर नहीं लगती है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच भी कुछ इसी तरह की हलचल मची हुई है। दिल्ली और हरियाणा में दोनों ने मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा और हार गए। अब आम आदमी पार्टी हार की पूरी जिम्मेदारी कांग्रेस पर ढोल रही है। दो दिन पहले ही दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने कहा था कि दिल्ली विधानसभा के लिए देशभर में कोई गठबंधन नहीं बना है और हम दिल्ली में अपनी अपनी पूरी ताकत से विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। अब हरियाणा में भी पार्टी इसी राह पर आगे बढ़ रही है।

दरअसल आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और हरियाणा में गठबंधन कर चुनाव लड़ा था और दोनों ही राज्यों में पार्टी का खाता नहीं खुल सका। हरियाणा में आम आदमी पार्टी के खाते में चुनाव लड़ने के लिए कुरुक्षेत्र की एक सीट आई थी लेकिन यहां भी उसे हार का सामना करना पड़ा, जबकि गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस राज्य में शून्य से बढ़कर पांच सीटें जीतने में कामयाब रही। आप ने कुरुक्षेत्र में मिली हार का ठीकरा अब कांग्रेस नेताओं पर फोड़ना शुरू कर दिया है। आम आदमी पार्टी के हरियाणा प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला और अशोक अरोड़ा पर निशाना साधते हुए उन पर भितरघात करने का शक जताया। अनुराग ढांडा ने कहा कि कुछ ताकतों ने यह कोशिश की कि हरियाणा में आम आदमी पार्टी की भ्रूण हत्या की जाए। क्योंकि उन्हें लगा कि यदि आप कुरुक्षेत्र में जीतती है तो हरियाणा की राजनीति में तूफान आ जाएगा और बड़े राजनीतिक दलों को दिक्कत हो जाएगी। इसलिए आप की भ्रूण हत्या की साजिश की गई है। अनुराग ढांडा ने कहा, जो साजिशें कुरुक्षेत्र में की गई, उसकी असल वजह आने वाले दिनों में समीक्षा के बाद आएगी, लेकिन हमारे कार्यकर्ता जो हमें बता रहे हैं वो संदेह पैदा करता है।

कैथल में जिस रणदीप सुरजेवाला को कद्दावर नेता माना जाता है। वह कई राज्यों में प्रभारी भी रहे हैं। वो पिछली बार अपने विधानसभा चुनाव में 500-700 वोटों से रह गए थे, उसके बाद बीजेपी के खिलाफ इतनी एंटी वेव भी चल रही थी, उसके बावजूद सुरजेवाला जी के इलाके से गठबंधन 17000 वोट पीछे कैसे रह गया? ये बात समझ नहीं आती है। जिस बूथ पर सुरजेवाला ने वोट किया वहां भी गठबंधन हार गया। ऐसे में तो सवाल तो उठेगा ही।

ढांडा ने कहा, अशोक अरोड़ा जो सीएम हुड्डा के राइट हैंड बताए जाते हैं, विधानसभा में महज कुछ सौ वोटों से हारे थे, उनके इलाके में अगर 18000 वोटों से गठबंधन हार जाए तो सवाल मन में जरूर उठता है। क्या गजब इत्तेफाक है कि जहां-जहां कांग्रेस के विधायक या कद्दावर नेता थे, उन-उन विधानसभा क्षेत्रों में हम लोकसभा चुनाव में हार जाते हैं। जहां कांग्रेस के कद्दावर नेता या विधायक नहीं थे, वहां हमारे कार्यकर्ता जूझ रहे थे वहां हमारे उम्मीदवार को जीत मिली। इससे समझ आता है कि या तो सुरजेवाला और अरोड़ा जी का कोई अस्तित्व नहीं रहा, लोगों ने इन्हें नकार दिया। लेकिन अगर सुरजेवाला जी का कद है तो फिर सवाल जरूर उठेंगे।

दिल्ली में नकली दवाओं के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़, सीरियाई नागरिक सहित 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजधानी दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम को गुरुवार को नकली दवाओं के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। क्राइम ब्रांच ने कैंसर और शुगर की नकली दवा बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सीरियाई नागरिक सहित 4 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की पूछताछ में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि कैंसर और शुगर की बीमारी में इस्तेमाल होने वाली नकली दवा बनाने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह से सभी आरोपियों के संबंध हैं। दिल्ली पुलिस अधिकारी का कहना है कि सीरियाई नागरिक मोनिर अहमद (54) तुर्की, मिस्र और भारत में दवाओं की आपूर्ति करता था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। साथ ही अन्य आरोपियों की पहचान नवीन आर्य (40), सौरभ गर्ग (34) और करण खानेजा (27) के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस साइबर सेल और क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि दिल्ली एनसीआर में कुछ दवा विक्रेता व थोक विक्रेता अवैध रूप से नकली और अपंजीकृत जीवन रक्षक दवाएं बेच रहे हैं। पुलिस ने करोड़ों रुपये की कैंसर और मधुमेह में इस्तेमाल होने वाली कई अंतरराष्ट्रीय ब्रांड लाइफ सेविंग्स की दवाइयां जब्त की।

- क्या है पूरा मामला

पुलिस उपायुक्त क्राइम राकेश पावरिया का कहना है कि, पुलिस टीम ने भागीरथ पैलेस स्थित श्री राम इंटरनेशनल ट्रेडर्स पर छापा मारा, जहां बिक्री और सप्लाई के लिए विभिन्न आयातित दवाओं के साथ-साथ अन्य व्यापारिक स्टॉक मिला, जिसकी कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये थी। उन्होंने कहा कि क्राइम ब्रांच की टीम ने फर्जी स्टॉक को जब्त कर लिया। दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम को कार्रवाई के दौरान पता चला कि दुकान का मालिक आर्य नकली और अपंजीकृत जीवन रक्षक दवाएं बेच रहा था। इसके बाद दरियागंज स्थित एक अलग दवा विक्रेता टेरी व्हाइट लाइफ केयर पर एक और छापेमारी की। दुकान की तलाशी के दौरान बिक्री और वितरण के उद्देश्य से विभिन्न आयातित बड़ी दवाओं के संदिग्ध स्टॉक के साथ-साथ लगभग 2.5 करोड़ रुपये मूल्य की अन्य दवाइयां पाई गईं। टेरी व्हाइट लाइफ केयर भी अवैध रूप से नकली और अपंजीकृत जीवन रक्षक दवाएं बेच रहा था। जांच के दौरान पता चला कि यह गिरोह विदेशी नागरिकों की मिलीभगत से चल रहा है।

आखिरकार.... सीबीआई की जद में आ ही गए लालू के बेटे तेज

तेज प्रताप यादव ही बचे थे इस मामले में लालू परिवार से

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद और उनके परिवार के सदस्यों की कथित संलिप्तता वाले नौकरी के बदले जमीन घोटाले में अपना अंतिम आरोपपत्र दाखिल किया। सीबीआई अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा विशेष अदालत को सौंपी गई अंतिम रिपोर्ट में उन सभी रेलवे जोन को शामिल किया गया है, जहां लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर जमीन लिए जाने के एवज में नौकरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने पर सीबीआई ने विशेष न्यायाधीश (सांसद/विधायक मामले) के समक्ष 78 आरोपियों के खिलाफ अपना तीसरा और अंतिम आरोप पत्र दाखिल किया। आरोपियों में लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजप्रताप यादव (जिनके खिलाफ पहली बार आरोप पत्र दाखिल किया गया है), बेटी हेमा यादव, पूर्व ओएसडी भोला यादव और राजद प्रमुख के एक पूर्व कर्मचारी सदस्य शामिल हैं।

अभी तक लालू परिवार में तेज प्रताप ही थे जो सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की जद में आने से बचे हुए थे। लेकिन लैंड फॉर जॉब स्कैम में आखिरकार उनका नाम भी आरोपियों की लिस्ट में शामिल हो गया। सीबीआई ने अपनी आखिरी चार्जशीट में आरोपियों के खिलाफ आपराधिक षडयंत्र के साथ-साथ धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धाराएं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधान भी लगाए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों में 29 रेलवे अधिकारी, 37 अभ्यर्थी और छह अन्य निजी व्यक्ति शामिल हैं। सीबीआई ने कहा कि जांच के दौरान, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पाया कि लालू प्रसाद ने रेलवे के अधिकारियों, अपने परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के साथ मिलकर एक आपराधिक साजिश को आगे बढ़ाते हुए, मौजूदा दिशानिर्देशों का पूर्ण उल्लंघन करते हुए भारतीय रेलवे के 11 जोनों में 'ग्रुप डी' के पदों पर नियुक्ति की।

सीबीआई ने कहा कि यह कार्य उम्मीदवार द्वारा स्वयं या उसके परिवार के सदस्यों द्वारा भूमि हस्तांतरण के बदले में किया गया। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए पात्र बनने के लिए उम्मीदवारों ने फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किए। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा, रेलवे के विभिन्न जोनों में नियुक्त किए गए अभ्यर्थी मुख्यतः उन जिलों से थे जो तत्कालीन केन्द्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद और उनके परिवार के सदस्यों के निर्वाचन क्षेत्र थे।

पिछले साल 3 जुलाई को सीबीआई ने मामले में बिहार के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। विशेष अदालत छह जुलाई को रिपोर्ट पर विचार करेगी। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, 'जांच के दौरान, यह पाया गया कि आरोपियों ने रेलवे अधिकारियों के साथ साजिश रची और अपने या अपने करीबी रिश्तेदारों के नाम जमीन लेने के एवज में व्यक्तियों की भर्ती की। यह भूमि तत्कालीन सर्किल दर से कम कीमत पर और बाजार दर से भी बहुत कम कीमत पर हासिल की गई थी।'

जन हितैषी

सत्ता को संदेश देने शांतिपूर्ण ढंग से जनता ने किया बदलाव

भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में शामिल एम वेंकैया नायडू ने कहा है कि नागरिकों को जो बदलाव करना था, जनता ने लोकसभा चुनाव के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से बदलाव किया है। नायडू ने कहा, लोकसभा के चुनाव ने यह साबित कर दिया है कि भारत एक महान लोकतांत्रिक देश है। सभी को समझ लेना चाहिए, दुनिया के देशों में भारत को एक महान लोकतंत्र क्यों कहा जाता है। भारत के करोड़ों लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से मतदान किया, जनता जो बदलाव चाहती थी। शांतिपूर्ण तरीके से अंजाम तक पहुंचाने का काम जनता ने किया है। नायडू ने स्पष्ट रूप से कहा, चुनाव के जरिए जनता ने बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है सत्ता में बैठे हुए लोग इस संदेश को समझेंगे। वेंकैया नायडू ने गुजरात के आणंद में ग्रामीण प्रबंधन संस्थान के 43 में दीक्षांत समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। यहां नायडू ने कहा, कि सत्तारूण भाजपा अपने दम पर बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने में विफल साबित हुई है। वहीं इंडिया गठबंधन ने प्रभावशाली ढंग से जनता की बात को इस चुनाव मैदान में जनता के सामने रखा। जनता का समर्थन इंडिया गठबंधन को मिला। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने संबोधन के जरिए भाजपा को बहुत बड़ा संदेश भी दिया है। राजनीतिक दलों की सर्वोच्च प्राथमिकता गरीबों और वंचितों के लिए काम करना होनी चाहिए। चुनाव की जीत हार से अलग सोचते हुए, राजनीतिक दलों को गरीबों और वंचितों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत की 60 फ़ीसदी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। यह 60 फ़ीसदी आबादी कृषि, मवेशी प्रजनन, मत्स्य पालन, डेयरी फार्मिंग, स्थानीय कामगार एवं रिटेल कारोबार से जुड़ी रहती है। वेंकैया नायडू जनता से जुड़े हुए राजनेता हैं। वह भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में वह केंद्रीय मंत्री के पद पर भी रहे हैं। उन्होंने उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रथम कार्यकाल में काफी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया था। उन्होंने राज्यसभा के उपसभापति के रूप में भाजपा और सत्ता की सोच को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में भी उन्होंने समन्वय बनाने का काम किया था। भारतीय जनता पार्टी में पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से सत्ता एवं संगठन में बदलाव आया है। संगठन और सत्ता की सोच बदल गई है। मोदी सरकार की इमेज पूंजीपतियों की सरकार के रूप में बन गई है। सत्ता में बने रहने की सोच ने भाजपा की रीति-नीति को बदल दिया है। एक समय था, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके अनुवांशिक संगठन तथा भाजपा स्वदेशी जागरण मंच जैसे कार्यक्रम को संचालित करती थी। 2004 से 2014 तक विदेशी निवेश को भारत में आने से रोकने के लिए बड़े-बड़े आंदोलन चलाए। सदन में जिस लड़ाई को लड़ा था। विशेष रूप से रिटेल सेक्टर में विदेशी निवेश को नहीं आने दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद विदेशी निवेश के लिए सभी सेक्टर में 100 फ़ीसदी निवेश की मंजूरी दे दी गई। उसके बाद तेजी से हालात बदलने शुरू हुए। भारत का सारा आर्थिक और सामाजिक ताना-बाना बिगड़ गया। गरीब-गरीब होते चले गए। अमीर-अमीर होते चले गए। इस परिवर्तन पर पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों को आईना दिखाया है। उनका कहना है, चुनाव में जीत-हार कोई मायने नहीं रखती है। राजनीति में धन की कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं होती है, यदि जनमत साथ में नहीं है। ऐसी स्थिति में राजनीति में धनबल की कोई भूमिका नहीं होती है। राजनीति नागरिकों के आर्थिक एवं सामाजिक रूप से उत्थान के लिए की जाती है। जो राजनीतिक दल इस काम को करता है उसी का राजनीतिक भविष्य होता है।

देश के राम स्थलों पर क्यो हार गए राम को लाने वाले!

जब से अयोध्या में भाजपा लोकसभा का चुनाव हारी है,तभी से कुछ अंधभक्त अयोध्या की भोली लेकिन जागरूक जनता को बुरा भला कहने में लगे है।ये वो लोग है जो न राम को ठीक से जानते है और न ही अयोध्या को।दरअसल अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारतीय जनता पार्टी को अयोध्या में प्रचंड जीत की उम्मीद थी।भाजपा को लगता था कि अयोध्या की वजह से उसे पूरे उत्तर प्रदेश ही नही देशभर में फायदा होगा, लेकिन कैसरगंज और गोंडा सीट को छोड़कर अयोध्या के आसपास भाजपा एक-दो नहीं बल्कि 15 से ज्यादा सीटें हार गई है। फैजाबाद सीट पर सपा के अवधेश प्रसाद 54,567 वोटों से जीतकर सांसद बने हैं। उन्हें कुल 5,54,289 वोट मिले,जबकि भाजपा के लल्लू सिंह को 4,99,722 वोट हासिल हुए है।22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के मात्र चार महीने बाद अयोध्या में भाजपा हार गई है।अयोध्या में भाजपा की हार की वजह जमीन अधिग्रहण और उसके मुआवजे को बताया जा रहा है,साथ ही कई लोगों के घर-दुकान तोड़े गए, जिनका मुआवजा तक नहीं मिल पाया।यही नाराजगी चुनाव परिणाम में साफ नजर आई है, जिसने विपक्ष को भाजपा पर हमला करने का मौका दे दिया और भाजपा अपनी अयोध्या सीट नहीं बचा पाई। फैजाबाद में भाजपा की हार की एक और बड़ी वजह कार्यकर्ताओं की अनदेखी मानी जा रही है। जिसके चलते पार्टी से सच्चिदानंद पांडेय जैसे युवा नेता पार्टी छोड़ गए। चुनाव की घोषणा के 6 दिन पहले 12 मार्च को सच्चिदानंद ने बसपा ज्वॉइन कर ली और उन्होंने भाजपा के वोट में सेंध लगाकर 46,407 वोट पा लिए और अयोध्या में भाजपा की हार का खेल हो गया। फैजाबाद लोकसभा सीट में पांच विधानसभा क्षेत्र दरियाबाद, बीकापुर, रुदौली, अयोध्या और मिल्कीपुर में सेअखिलेश ने दो विधानसभाओं मिल्कीपुर और बीकापुर में रैलियां कीं थी।यहां उन्होंने जमीन अधिग्रहण, मुआवजे का मुद्दा, युवाओं को नौकरी जैसे मुद्दों को जनता तक पहुंचाया था। यहां इंडिया गठबंधन को शहर से ज्यादा ग्रामीण इलाकों में वोट मिले है। बीकापुर क्षेत्र में बीजेपी को 92,859 वोट मिले, वहीं सपा को 1,22,543 वोट मिले है। इंडिया गठबंधन को मिल्कीपुर में 95,612 दरियावाद में 1,31,177 और रदौली में 1,04,113 वोट मिले है। फैजाबाद की 5 में से 4 ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में इंडिया गठबंधन भाजपा पर हावी रहा और अयोध्या शहर में इंडिया गठबंधन के मुकाबले ज्यादा वोट मिलने पर भी भाजपा फैजाबाद का चुनाव हार गई।फैजाबाद सीट पर अखिलेश यादव ने नया प्रयोग किया था, सामान्य सीट होने के बावजूद सपा ने यहां से अयोध्या की सबसे बड़ी दलित आबादी वाली पासी बिरादरी से अपने सबसे बड़े चेहरे अवधेश प्रसाद को उम्मीदवार बनाया, जिसके बाद यहां नारा चल पड़ा- अयोध्या में न मथुरा न काशी, सिर्फ अवधेश पासी, इसके अलावा सपा-कांग्रेस गठबंधन भाजपा के वोट बैंक को बांटने में भी कामयाब रहा। इस सीट पर करीब पांच लाख मुस्लिम वोटर हैं, वो भी इंडिया गठबंधन की ओर लामबंद हो गए और इस तरह सपा की जीत हुई। फैजाबाद से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह ने बयान दिया था कि भाजपा को संविधान बदलने के लिए 400 सीट चाहिए। फैजाबाद में 26 फीसदी दलितों को शायद ये रास नहीं आया और भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा है।भाजपा ने लल्लू सिंह के बयान से हुए नुकसान को रोकने की भरकस कोशिश की लेकिन नाकाम रही। चित्रकूट लोकसभा सीट में 62 सालों से महिलाओं को कोई अवसर नहीं मिला है। इस बार समाजवादी पार्टी ने कृष्णा पटेल को प्रत्याशी बनाया तो आम मतदाताओं ने उन्हें सिर आंखों पर बिठाकर संसद भवन तक पहुंचाने का काम किया है। चुनाव जीतने वाली वाली कृष्णा पटेल जिले की दूसरी महिला सांसद होगी। इससे पहले 1962 में कांग्रेस की सावित्री निगम ने जीत हासिल की थी।32 चक्रों में हुई मतगणना के बाद जो परिणाम मिले उसके मुताबिक समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार कृष्णा पटेल को 4 लाख 5 हजार 455 वोट मिले, जबकि भाजपा के मौजूदा सांसद और उम्मीदवार आरके पटेल को 3 लाख 34 हजार 400 मत मिले। वहीं बसपा के मयंक द्विवेदी को 2 लाख 45 हजार 26 वोट मिले। कृष्णा पटेल ने भाजपा उम्मीदवार आरके पटेल को 71 हजार 55 वोटों से करारी शिकस्त देकर शानदार जीत हासिल की है। जिस नासिक के पंचवटी में भगवान राम रहे वहां की लोकसभा सीट पर पिछले कई दशक से शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस पार्टी का ही कब्जा रहा है। सन 1989 में इस सीट पर बीजेपी ने जीत दर्ज की थी।इस 2024 के लोकसभा चुनावों में यह सीट मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को मिली है। नासिक को शिवसेना का गढ़ माना जाता है। शिवसेना बनाम शिवसेना की लड़ाई में यहां पर उद्धव ठाकरे भारी पड़े और शिवसेना यूबीटी कैंडिडेट राजाभाऊ वाजे ने हेमंत गोडसे को हराकर जीत हासिल की है। नासिक लोकसभा सीट पर कुल 31 प्रत्याशी मैदान में थे।इसी तरह रामनाथपुरम लोकसभा क्षेत्र में आईयूएमएल के के. नवसकानी विजेता बने हैं। चुनाव आयोग के अनुसार के. नवसकानी ने कुल 509,664 वोटों से जीत हासिल की है। वही रामटेक में कांग्रेस प्रत्याशी श्याम कुमार बरवे विजेता बनकर उभरे हैं,उन्हें 76768 वोटों के अंतर से जीत मिली है।जिससे हम कह सकते है कि इस बार मतदाताओं ने राम मंदिर मुद्दे को चुनावी मुद्दा नही बनने दिया बल्कि विकास और जनसमस्याओं के आधार पर यह चुनाव निर्णायक रहा।

(लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन/ईएमएस)
(लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

फिर एक बार मोदी सरकार

चुनाव परिणाम बी जे पी अनुकूल नहीं रहे, पर इतने बुरे भी नहीं रहे। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार देश की जनता ने सीधे तीसरी बार प्रधानमंत्री चुना है। संख्या थोडी कम हुई, पर 240 बहुत अधिक होता है 99 से, और 293 पर्याप्त अधिक है 232 से, यह साधारण गणित है, इतनी समझ सभी को है। इस पर जश्न नहीं मना सकते तो दुखी होने का उतना बड़ा कारण भी नहीं है। हां, आत्मचिंतन का विषय अवश्य है।आप हर चुनाव का पूर्व का विश्लेष्ण देखेंगे तो हर 10 साल में सत्ता परिवर्तन होता है भारतीय बहुसंख्यक समाज का बौद्धिक खोखलापन और सांस्कृतिक पतन इतना अधिक हो चुका है, यह भी देखने का समय है। जो सामाजिक आर्थिक विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण पिछले दस वर्षों में हुआ है, वह कम से कम उसके पीछे के कई दशकों में नहीं हुआ था 26 मई 2014 को जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की एनडीए सरकार ने सत्ता संभाली थी, तब भारत की कुल जीडीपी करीब 20 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर थी, जो अब 37.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। प्रति व्यक्ति आय, जो 2014 में 1,573.9 अमेरिकी डॉलर थी, अब 2023 में 2,601 अमेरिकी डॉलर है। रुपये में मौजूदा कीमतों पर, यह जीडीपी 2013-14 में 104.73 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 272.04 लाख करोड़ रुपये हो गई है। जीडीपी के मामले में भारत 2014 में 10वें स्थान पर था और अब पांचवें स्थान पर है। ऐसा माना जाता है कि प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि कल्याण की गारंटी नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में देश में आय असमानताएं भी काफी बढ़ गई हैं। इसके अलावा वर्ष 2020-21 में कोरोना महामारी ने समाज के सभी वर्गों को प्रभावित किया है, लेकिन सबसे बड़ा झटका मजदूरों-श्रमिकों और व्यापारियों, विशेषकर छोटे व्यापारियों को लगा है, जिसका असर उनकी आय और कल्याण दोनों पर पड़ेगा। भारत 80 लाख ग्रामीण लोगों को मुफ्त खाद्यान्न, चिकित्सा उपचार और स्वयं सहायता समूह प्रदान करने में दुनिया में अग्रणी रहा है। ग्रामीण बेरोजगारी के लिए पहले से चल रही मनरेगा योजना पर पिछले नौ वर्षों में लगभग 5.89 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। जुलाई 2008 से जून 2009 के बीच किए गए एनएसएसओ सर्वेक्षण के 65वें दौर के अनुसार, देश में 17 फीसदी ग्रामीण परिवार और 2.1 फीसदी शहरी परिवार घरों में रहते थे, जो कि 3.15 फीसदी परिवारों के बराबर था। 2015 से घरों के निर्माण में भारी प्रगति हुई है, जहां 4.1 करोड़ परिवारों (ग्रामीण क्षेत्रों में 2.85 करोड़ और शहरी क्षेत्रों में 1.23 करोड़) को पीएम आवास योजना-ग्रामीण और शहरी के तहत आवास सहायता से घर बनाने में मदद की गई है; और अब आठ साल से भी कम समय में 2.87 करोड़ घरों का निर्माण किया गया है। ग्रामीण और शहरी गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए इसे एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। वर्ष 2014-15 के दौरान प्रति दिन 12 किलोमीटर सड़कें बनाई जा रही थीं, जो 2022-23 में बढ़कर 22.23 किलोमीटर प्रति दिन हो गए। जब हम इसकी तुलना यूपीए सरकार से करते हैं, तो कांग्रेस सरकार द्वारा सड़क निर्माण पर सालाना 10,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाते थे, जो एनडीए सरकार के दौरान बढ़कर 15,000 करोड़ रुपये हो गए हैं। सड़कों के अलावा, जलमार्ग, रेलवे और वंदे भारत नामक स्वदेशी फास्ट ट्रेनों का भी विस्तार किया गया है। 2014 में 74 हवाई अड्डे थे, जो अब दोगुने होकर 148 हो गए हैं। मोदी के नौ साल भारतीय अर्थव्यवस्था और लोगों के लिए सबसे अच्छे माने जा सकते हैं जब हंगरी में अमीर देश स्वार्थी हो रहे थे, तब भारत ने अपनी संवेदनशीलता दिखाई और दूसरे देशों को दवाइयां और टीके उपलब्ध कराए। रूस- यूक्रेन युद्ध के बाद रूस से तेल न खरीदने के दबाव के बावजूद भारत मजबूती से खड़ा रहा। मोदी की यात्रा बहुत आसान नहीं थी, क्योंकि भूमि अधिग्रहण कानूनों में संशोधन, कृषि कानूनों के कार्यान्वयन, मुद्रा, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) जो पड़ोसी देशों के सताए गए गैर-मुस्लिम नागरिकों को नागरिकता देने का मार्ग प्रशस्त करता है, को लेकर उन्हें अपने ही लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। मोदी न केवल दुश्मनों को हराएंगे बल्कि विरोध का भी सामना करेंगे। विरोध के बावजूद यह साबित नहीं होगा कि प्रधानमंत्री मोदी के मन में कोई दुर्भावना है। इन फैसलों को लेते समय मोदी सर ने विपक्ष के प्रति भी अपनी पूरी संवेदनशीलता दिखाई और मीडिया का सामना करते हुए भी सुधार करने के लिए तैयार दिखाई दिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी को 7जुलाई को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल का नेता चुन लिया गया। इस दौरान उन्होंने बैठक में मौजूद सभी गणमान्य जनों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मैं बहुत जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं, एनडीए सरकार में हम अगले 10 साल में सुशासन, विकास, जीवन की गुणवत्ता और मेरा व्यक्तिगत सपना है। मैं लोकतंत्र की समृद्धि के बारे में सोचता हूं तो मानता हूं कि मध्यम वर्ग के जीवन में सरकार की दखल जितनी कम हो, उतना अच्छा है। आज के तकनीक के दौर में हम यह कर सकते हैं। हम विकसित भारत के सपने को साकार करके रहेंगे। (लेखक- संजय गोस्वामी / ईएमएस)

बंगाल में राज्य प्रायोजित हिंसा एक बदनुमा दाग

लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, लोगों में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यही वजह है कि कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सुरक्षा देने की मांग की गई है। याचिका में मांग की गई है कि पुलिस को निर्देश दिए जाएं कि वे विपक्षी कार्यकर्ताओं को हिंसा से बचाने के लिए सुरक्षा दें। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव बाद की हिंसा पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने गंभीर चिंता जताई एवं ममता बनर्जी सरकार को कड़ी फटकार लगाई। चुनाव के बाद एवं लोकसभा चुनाव के प्रचार दौरान तृणमूल कांग्रेस ने व्यापक हिंसा, आतंक एवं अराजकता का माहौल बनाया। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता पार्टी जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर जिस तरह के हिंसक हमले कर रहे हैं, वह लोकतंत्र पर एक बदनुमा दाग है। ममता बनर्जी ने चुनाव के महापर्व को हिंसक बना दिया था, उसने एवं उसके कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं से, हिन्दुओं से, हिन्दू मन्दिरों-भगवानों-संतों एवं हिन्दू पर्वो से नफरत का बिगुल हर मोड़ पर बजाया है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा का सिलसिला चुनाव के पहले ही कायम हो गया था। राज्य में हिंसा की अनेक घटनाएं चुनाव के दौरान भी देखने को मिलीं और अब चुनाव समाप्त हो जाने के बाद भी देखने को मिल रही हैं, जिनमें ग्यारह लोगों की मौत होना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसका सीधा अर्थ है कि यह हिंसा तृणमूल कांग्रेस नेताओं के इशारे पर हो रही है। हैरानी नहीं कि अराजक तत्वों को बंगाल पुलिस का मौन समर्थन हासिल हो। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद तृणमूल कांग्रेस ने 'आतंक का राज' फैला दिया है।

तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता विरोधी दलों और विशेष रूप से भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं। ऐसा तब हो रहा है, जब चुनाव आयोग के निर्देश पर बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती 19 जून तक बढ़ा दी गई है। ऐसा चुनाव बाद हिंसा की प्रबल आशंका को देखते हुए किया गया था। यह आश्चर्यजनक है कि बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की चार सौ कंपनियां तैनात हैं और फिर भी वहां व्यापक हिंसा हो रही है। इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस हिंसा को कितने नियोजित ढंग से अंजाम दे रही है। इस हिंसा एवं अराजकता के बढ़ने के प्रबल आसार इसलिए हैं, क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव के दौरान भी बड़े पैमाने पर जो हिंसा हुई थी, लोकसभा चुनाव में भी हिंसा हुई, पूर्व के अन्य चुनावों में भी हिंसा का बोलबाला रहा है। ऐसी स्थितियों में बंगाल में लोकतंत्र की भावना एवं मर्यादा का खुला हनन हो रहा है। इतनी व्यापक हिंसा बंगाल पुलिस के मूकदर्शक बने रहने एवं उसके सहयोग के बिना असंभव है। इसी के चलते तमाम भाजपा कार्यकर्ता और उसके समर्थकों की हत्या की गई थी। पूर्व की हिंसा एवं आतंक के समय ऐसा माहौल बनाया गया था कि कई लोगों को अपना घर-बार छोड़कर पलायन करते हुए पड़ोसी राज्य असम में शरण लेनी पड़ी थी। इन जटिल होती स्थितियों को देखते हुए न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, जो एक लोकतांत्रिक सरकार के लिये लज्जाजनक है।

पश्चिमी बंगाल की ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनजम की प्रक्रिया बन गयी है। 2021 में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा का संज्ञान लेते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सीबीआइ को हिंसक घटनाओं की जांच करने को कहा था। इस जांच के दौरान तृणमूल कांग्रेस के अनेक नेताओं को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन ऐसा लगता है कि यह कार्रवाई भी तृणमूल कांग्रेस के अराजक तत्वों के दुस्साहस का दमन नहीं कर सकी। इसका प्रमाण 2023 में पंचायत चुनाव के दौरान हुई भीषण हिंसा से मिला था, जिसमें 40 से अधिक लोगों की जान गई थी। इस लोकसभा चुनाव में भी हिंसा के चलते कई लोगों की जान जा चुकी है। यह ठीक है कि चुनाव बाद हिंसा पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नाराजगी व्यक्त करते हुए यहां तक कहा कि यदि राज्य सरकार हिंसा पर लगाम नहीं लगा सकती तो केंद्रीय सुरक्षा बलों को बंगाल में पांच साल तक तैनात करने का आदेश देना पड़ सकता है। उच्च न्यायालय की इस कठोर टिप्पणी के बाद भी ममता सरकार की सेहत पर शायद ही कोई असर पड़े, क्योंकि वह सारा दोष विरोधी दलों पर मढ़ देती है। वास्तव में जब तक बंगाल में हिंसा के लिए ममता सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, तब तक राज्य के हालात सुधरने वाले नहीं हैं।

ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। चुनावों में जितनी हिंसा बंगाल में हुई, उतनी अन्यत्र कहीं देखने को नहीं मिली। बंगाल का लोकतंत्र तानाशाही मानसिकता से गुजर रहा है। इन स्थितियों से तो यही लगता है कि राजनीतिक वोट बैंक के लिए ममता संविधान एवं सुरक्षा-व्यवस्था की जितनी अवमानना कर सकती है, उसने की है और आगे भी वह करती रहेगी। चुनावों में ऐसी हिंसक एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियां लोकतंत्र पर एक धुंधलका है, जिस पर नियंत्रण जरूरी है।

लोकसभा चुनाव में जिन राज्यों के परिणामों ने पूरे देश को चौंकाया है उनमें पश्चिम बंगाल भी शुमार है। पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम इसलिये भी आश्चर्य में डाल रहे हैं कि वहां तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ व्यापक नाराजगी थी, ममता सरकार के कई मंत्रियों और विधायकों पर घोटाले के आरोप लगे थे, संदेशखाली की महिलाओं पर हुआ अत्याचार देश भर में बड़ा मुद्दा बन गया था, ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के इर्दगिर्द ईडी का शिकंजा कसा हुआ था, ममता बनर्जी को सनातन विरोधी बताया जा रहा था, तृणमूल कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने चुनावों से ऐन पहले पाला बदल लिया था, तृणमूल कांग्रेस पर हिंसक एवं अराजक होने का तगमा लगा था, बावजूद ममता जीती। देखा जाये तो ममता बनर्जी की छवि जुझारू एवं कद्दावर नेता की रही है और वह अपनी पार्टी को जिताने के लिए जी-जान लगा देती हैं। चुनाव प्रचार के दौरान खुद पर होने वाले राजनीतिक हमलों को वह अपने पक्ष में मोड़ लेने में माहिर हैं। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन के तमाम नेताओं ने विभिन्न राज्यों में सीटों का बंटवारा कर आपस में समन्वय बनाकर चुनाव लड़ा लेकिन ममता बनर्जी ने बंगाल में अकेले ही सारी चुनौती झेली। वह अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है?

ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। मुद्दा चाहे रामनवमी पर हिंसा का हो या संदेशखाली में हिन्दू महिलाओं के साथ अत्याचारों का या साधु-संतों को डराने-धमकाने का। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने अलोकतांत्रिक, गैर-कानूनी एवं राष्ट्र-विरोधी कार्यों को अंजाम दिया है। बंगाल में तो भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, हिंसा की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगल रहा है। ममता अपनी जातियों, ग्रुपों और वोट बैंक को मजबूत कर रही हैं-- देश को नहीं। दुनिया के लोग केवल बुराइयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्यथा जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी। बंगाल में आम जनजीवन की सार्थकता ही नष्ट हो रही है। (लेखक - ललित गर्ग/ ईएमएस)

क्या आज महामुकाबले में विलेन बन सकती हैं बारिश

शाम 7 बजे खेला जाना हैं भारत-पाकिस्तान मैंच

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। क्रिकेट का सबसे बड़ा मुकाबला फिर होने वाला है। भारत और पाकिस्तान 9 जून को टी20 वर्ल्ड कप 2024 में एक दूसरे से भिड़ने को तैयार है। दुनिया भर के फैंस धमाकेदार मैच का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन बारिश की वजह से पूरा 20 ओवर का मैच ना हो सके, इसकी भी संभावना है। दरअसल न्यूयॉर्क में बारिश होने की संभावना जाहिर की गई है।

मैच सुबह 10:30 बजे (भारतीय समयानुसार रात 8 बजे) शुरू होगा। मौसम विभाग के मुताबिक, टॉस के वक्त 40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत बारिश की संभावना है, जो दोपहर 1 बजे कम होकर 10 प्रतिशत हो जाएगी और फिर शाम 3 बजे 40 प्रतिशत तक वापस चली जाएगी।

बारिश भारत और पाकिस्तान मैच में अहम भूमिका निभा सकती है, क्योंकि दोनों टीमें अभी भी नए मैदान के हालातों को समझने की कोशिश कर रही हैं। न्यूयॉर्क में पहले हुए भारत-आयरलैंड मैच में भारत ने आयरलैंड को सिर्फ 96 रनों पर आउट कर दिया था। श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच भी कम स्कोर वाला मैच हुआ था, जिससे पता चलता है कि न्यूयॉर्क की नई पिच गेंदबाजों को मदद कर रही है।

वहीं मौसम की भविष्यवाणी पर भरोसा करें, तब रविवार को 42 प्रतिशत बारिश होने की संभावना है। तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा और ह्यूमिडिटी 58 प्रतिशत रहेगी। बारिश से टॉस में देरी हो सकती है, लेकिन मौसम विभाग के मुताबिक मैच समय पर ही खेला जा सकता है।

मैच के लिए दोनों टीमेंः

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

पाकिस्तानः पाकिस्तानः बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमान, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सईम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान।

आशीष दुबे / 08 जून 2024

शब्द पहेली - 8032

बाएँ से दाएँ

1. सावधान, सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन, प्रतिज्ञा-2
6. हत्या, मर्डर-2
8. तब तक, अवधि में-4
10. चरित्र, लक्षण-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. परागकण-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा, आजादी-3
17. तट, किनारा-3
19. ईश्वर, भगवान -4
21. अधीन, काबू-2
23. नवीन, नवजात-2
24. लेखनी, पेन-3
25. लाईन, रेखा -3

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, सदैव-2
2. विष, जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया, नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती, उछलकूद-3
8. स्वभाव, आदत-4
9. नुकसान, घाटा-2
12. कपोल, गाल-4
15. शान्ति, सन्नाटा-3
16. ताकत, दम, बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा, वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम, संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8031 का हल

ना	क		जि	रा	फ		ब	ला
ज		बे	ब	स		स	हा	रा
	प	ना	ह		क	री	ना	
क	र	म		दा	स	ता		वि
ले	ख		का	म	ना		दु	ना
जा		व	ज	न		प	ला	श
	म	ह	ल		प	ह	रा	
स	न	म		न	ह	र		जा
जा	न		ह	म	ला		शा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

वानिंदु हसरंगा ने तोड़ा लसिथ मलिंगा का रिकॉर्ड, बने नंबर वन गेंदबाज

डलास (ईएमएस)। बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका के कप्तान और लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने महान तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को पीछे छोड़कर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। हालांकि नतीजा श्रीलंका के पक्ष में नहीं आया और उन्हें बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप में पहली बार हरा दिया। मैच में बल्लेबाजी कर 0 पर आऊट हुए हसरंगा ने गेंदबाजी में कमाल दिखाकर 4 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए। इन दो विकेटों के साथ उन्होंने टी20ई क्रिकेट में 108 विकेट पूरे कर लिए और मलिंगा को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम इस प्रारूप में 107 विकेट हैं। श्रीलंका के लिए टी20ई में सर्वाधिक विकेट लेने वाले अन्य खिलाड़ी

श्रीलंका को खेल के हर विभाग में बौना साबित कर बांग्लादेश ने शनिवार को टी20 विश्वकप के रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हरा दिया। श्रीलंका के पहले खेलकर 9 विकेट पर 124 रन बनाए जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 125 रनों का निर्धारित लक्ष्य छह गेंदे शेष रहते 8 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। टी20 विश्वकप के इतिहास में श्रीलंका के खिलाफ बांग्लादेश की यह पहली जीत है।

टी20 में अच्छा प्रदर्शन करने वाली श्रीलंका इस विश्व कप में लय में नहीं दिख रही है। उनका विश्व कप में पहला मुकाबला साऊथ अफ्रीका के खिलाफ था जहां उन्हें 6 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। दक्षिण अफ्रीका ने पहले गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका को मात्र 77 रन पर ढेर कर दिया था। अफ्रीका के एनरिक नॉर्टजे 7 रन देकर चार विकेट निकालने में सफल रहे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट खोकर जीत हासिल कर ली थी। इसके बाद श्रीलंका अब बांग्लादेश से हार गया है। अब उन्हें नेपाल और नीदरलैंड से आगामी मुकाबले बड़े मार्जिन से जीतना होगा।

भारतीय मूल के खिलाड़ियों ने कनाडा को दिलाई जीत

-आयरलैंड को रोमांचक मुकाबले में 12 रन से हराया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। टी20 विश्व कप में कनाडा और आयरलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया जिसमें कनाडा ने आयरलैंड पर 12 रन से जीत हासिल की। आयरलैंड को आखिरी ओवर में जीत के लिए 17 बनाने थे लेकिन 138 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड टीम टीम 7 विकेट पर 125 रन ही बना सकी। जेरेमी गॉर्डन ने आखिरी ओवर में एक विकेट लेने के साथ ही सिर्फ 4 रन दिए और कनाडा ने यह मैच जीत लिया। अमेरिका की तरह ही कनाडा को भी जिताने में भारतीय मूल के खिलाड़ियों का बड़ा हाथ रहा।

कनाडा की प्लेइंग टीम में कुल चार भारतीय मूल के खिलाड़ी खेल रहे हैं इनमें नवनीत धालीवाल, प्रगत सिंह, दिलप्रीत बाजवा और श्रेयस मोव्वा जैसे खिलाड़ी थे। ये सभी पंजाब के रहने वाले हैं। नवनीत धालीवाल कनाडा टीम के ओपनर हैं उन्होंने इस मुकाबले में छह रन बनाए। वहीं, दिलप्रीत बाजवा ने बल्लेबाजी करते हुए 7 रन और प्रगत सिंह ने 18 रन की पारी खेली। सबसे ज्यादा योगदान श्रेयस मोव्वा ने किया।

जब कनाडा की टीम के चार विकेट जल्दी गिर गए थे। तब श्रेयस बल्लेबाजी करने के लिए उतरे उन्होंने अपनी टीम के लिए 36 गेंदों में कुल 37 रन बनाए। मोव्वा ने पारी में तीन चौके जड़े। आयरलैंड के लिए क्रेग यंग और बैरी मैकार्टी ने दो-दो विकेट लिए जबकि मार्क एडेर और गैरेथ डेलनी को एक-एक विकेट मिला।

उलटफेरों की कहानी लिख रहा टी20 वर्ल्ड कप पाकिस्तान का हराना सबसे बड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। टी20 वर्ल्ड कप उलटफेरों के लिए याद किया जाएगा। अभी टूर्नामेंट शुरू हुए हफ्तेभर ही हुए हैं लेकिन 5 टीमें उलटफेर का शिकार हो चुकी हैं। ऐसी टीमें जिन्हें टेस्ट प्लेइंग नेशन का दर्जा हासिल है, वे उन टीमों से हार रही हैं, जो कभी-कभार ही नजर आती हैं। अगर उलटफेर की शुरुआत अमेरिका ने, तब सबसे बड़ा झटका पाकिस्तान का हारना रहा।

डलास में हुए मैच में मेजबान अमेरिका ने कनाडा को 3 विकेट से हराया। कनाडा ने 194 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया, लेकिन यूएसए ने 17.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। जो कनाडा की टीम 1970 के दशक से आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है, उसकी हार उलटफेर से कम ना थी।

टी20 वर्ल्ड कप का दूसरा बड़ा उलटफेर भी अमेरिका ने ही किया। इस बार यूएस की टीम ने पूर्व चैंपियन पाकिस्तान के सपनों को चकनाचूर कर दिया। पाकिस्तान और अमेरिका का यह मुकाबला पहले 159-159 के स्कोर पर टाई रहा। इसके बाद सुपर ओवर खेला गया। अमेरिका ने सुपर ओवर में 18 रन बनाए, जिसके जवाब में पाकिस्तान की टीम 13 रन ही बना सकी। अमेरिका की टीम इस जीत से पॉइंट टेबल में ग्रुप ए में भारत को पीछे छोड़ टॉप पर पहुंच गई है।

टी20 वर्ल्ड कप का तीसरा उलटफेर अमेरिका से हारने वाले कनाडा ने किया। कनाडा ने 7 जून को आयरलैंड के खिलाफ 137 रन बनाए। आयरलैंड की टीम इसके जवाब में 125 रन ही बना सकी। ध्यान रहे आयरलैंड की टीम वनडे और टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान, इंग्लैंड जैसी टीमों को हरा चुकी है। टीम को टेस्ट प्लेइंग टीम का दर्जा हासिल है। टी20 वर्ल्ड कप में चौथे उलटफेर का शिकार न्यूजीलैंड हुई। आठ जून को अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड को 84 रन से करारी शिकस्त दी। अफगानिस्तान ने मैच में 6 विकेट पर 159 रन का स्कोर खड़ा किया। न्यूजीलैंड की टीम इसके जवाब में 15.2 ओवर में महज 75 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

यूनिख विश्व कप में सिफ्त कौर ने कांस्य पदक जीता

म्यूनिख(ईएमएस)। भारतीय निशानेबाज सिफ्त कौर समरा ने शुक्रवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल/पिस्टल) के अंतिम दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह से 2 पदक जीत कर इस प्रतियोगिता में अपने अभियान का अंत किया। सरबजोत सिंह ने गुरुवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता था। सिफत मामूली अंतर से रजत पदक हासिल करने से चूक गई। उन्होंने 452.9 अंक बनाए जो चीन की मौजूदा विश्व चैंपियन हान जियायू से केवल 0.1 कम था। ग्रेट ब्रिटेन की विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सियोनैड मैकिन्टोश ने 466.7 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। सिफत नीलिंग पोजीशन के बाद सातवें और प्रोन पोजीशन के बाद 5वें स्थान पर चल रही थी। स्टैंडिंग पोजीशन में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया जिससे वह कांस्य पदक जीतने में सफल रही। पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में भारत के ऐश्वर्य तोमर धीमी शुरुआत से नहीं उभर पाए और 40 शॉट के बाद 408.9 अंक लेकर 8वें स्थान पर रहे। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक नॉर्वे के ओले मार्टिन हलवोरसेन (464.3) ने जीता। उन्होंने फाइनल में हंगरी के इस्तवान पेनी को 0.2 से हराया। नॉर्वे के जॉन हरमन हेग ने 449.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

बांग्लादेश का कमाल, वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को 2 विकेट से हराया

नई दिल्ली(ईएमएस)। टी20 विश्व कप का 15वां मैच श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच खेला गया। इस मुकाबले में बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप 2014 की पूर्व चैंपियन टीम श्रीलंका को हराकर शानदार 2 विकेट से जीत दर्ज की। बांग्लादेश ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। जो उनके लिए कारगर साबित हुआ। श्रीलंका की टीम पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 124 रन बना सकी। बांग्लादेश ने 125 रन के लक्ष्य का पीछा बड़ी ही आसानी से कर लिया। उन्होंने 6 गेंद शेष रहते ही जीत हासिल कर ली। पहले बैटिंग करने उतरी श्रीलंका की टीम की ओर से ओपनिंग करने पाथुम निसंका और कुसल मेंडिस आए। निसंका ने शानदार 47 रन की पारी खेली। तो वहीं, कुसल मेंडिस ने 10 रन बनाए। तीसरे नंबर पर आए कामिंदु मेंडिस के बल्ले से 4 रन निकले। इसके अलावा धनंजय डि सिल्वा ने 21, चरित असलंका ने 19, वानिंदु हसरंगा ने 0 और एंजेलो मैथ्यूज ने 16 रन बनाए। इस तरह 20 ओवर में श्रीलंका की टीम 9 विकेट के नुकसान पर 124 रन बना सकी।बांग्लादेश की ओर से शानदार बॉलिंग करते हुए मुस्तफिजुर रहमान ने 4 ओवर गेंदबाजी करते हुए 17 रन दिए और 3 विकेट अपने नाम किए। वहीं, रिसाद हौसेन ने भी 3 विकेट अपने नाम किए। तंजीम हसन शाकिब ने 1 जबकि, तस्कीन अहमद ने 2 विकेट अपने नाम किए। अब चेज करने की बारी बांग्लादेश की आई। बांग्लादेश के ओपनर बैटर तंजीद हसन और सौम्य सरकार बुरी तरह फ्लॉप रहे। हसन 3 पर तो वहीं, सरकार 0 पर आउट हुए। लिटन दास ने तीसरे नंबर पर आकर अच्छी बल्लेबाजी की और 38 गेंदों में 36 रन बनाए। तौहिद ह्रिदोय ने 20 गेंदों में 200 के स्ट्राइक रेट से 40 रन ठोक दिए। जहां से बांग्लादेश के हाथों मैच फिसल गया। महमादुल्लाह ने अंत में 13 गेंदों में 16 रन बनाए और टीम को जीत दिलाई।

भारत-पाकिस्तान के बीच हुए 7 मैच, पाकिस्तान 5 मैच हारा, एक जीता- टीम इंडिया की चारों जीत का सेहरा विराट कोहली के सर बंधा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। टी20 वर्ल्डकप का आगाज भले ही अमेरिका-कनाडा के मुकाबले से हुआ हो लेकिन क्रिकेट फैंस को तो 'महामुकाबले' का इंतजार है। भारत और पाकिस्तान के 'हाईवोल्टेज' मैच के साथ ही टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ता है। 9 जून यानी रविवार को न्यूयॉर्क में होने वाला यह मैच एक तरह से खिलाड़ियों के खेल कौशल के साथ मानसिक मजबूती का भी 'टेस्ट' होगा। जो टीम दबाव को झेलकर अच्छा प्रदर्शन करेगी, जीत का सेहरा उसके सर बंधेगा। टी20 वर्ल्डकप में दोनों देश सात बार आमने-सामने आए हैं जिसमें भारतीय टीम पांच बार और पाकिस्तानी टीम एक बार जीती है। एक मैच टाई के रूप में दर्ज है। हालांकि 2007 के इस मैच का फैसला 'बॉल आउट' से हुआ था जिसमें बाजी टीम इंडिया के हाथ लगी थी। दोनों देशों के टी20 वर्ल्डकप के अब तक के मैचों पर विराट कोहली खास भूमिका रही है। 2012 से टी20 वर्ल्डकप में पाकिस्तान के खिलाफ दर्ज की गईं टीम इंडिया की चारों जीते विराट की वजह से ही जीती मानी जाती हैं। यही नहीं, 2021 में जब भारतीय टीम को पाकिस्तान के हाथों 10 विकेट की हार मिली थी, तब भी विराट, टीम के टॉप परफॉर्मर थे।

टी20 वर्ल्डकप 2007 में भारत और पाकिस्तान का पहला मैच हुआ था जो रोमांचक उतार-चढ़ाव के बाद टाई हो गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत 20 ओवर्स में 9 विकेट पर 141 रन बनाए थे। रॉबिन उथप्पा ने सर्वाधिक 50 और कप्तान एमएस धोनी ने 33 रनों का योगदान दिया था। पाकिस्तान के मो. आसिफ ने सर्वाधिक चार विकेट लिए थे। जवाब में मिस्बाह उल हक के 53 रनों के बावजूद पाकिस्तान टीम के कदम भी 20 ओवर्स में सात विकेट खोकर 141 के स्कोर पर थम गए। पारी के आखिरी ओवर की आखिरी गेंद पर मिस्बाह रन आउट हुए थे और मैच टाई हो गया था। नतीजे के लिए 'बॉल आउट' की मदद ली गई। भारत के तीनों प्लेयर-सहवाग, हरभजन और सहवाग ने स्टंप पर सटीक निशाना साधा जबकि पाकिस्तान के तीनों प्लेयर-यासिर अराफात, उमर गुल और यासिर अराफात चूक गए।

टी20 वर्ल्डकप 2007 के फाइनल में भारत-पाकिस्तान फिर आमने सामने आए जिसमें टीम इंडिया ने पांच रन की रोमांचक जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने गौतम गंभीर के 54 गेंदों पर बनाए गए 75 रनों की मदद से 20 ओवर्स में 157 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तानी ओपनर इमरान नजीर के 33, यूनुस खान के 24 और मिस्बाह उल हक के 43 रनों के बावजूद पाकिस्तान टीम 19.3 ओवर्स में 152 रन बनाकर आउट हो गई।

टी20 वर्ल्डकप 2021 के पहले तक भारतीय टीम पाकिस्तान से कोई मैच नहीं हारी थी लेकिन यह रिकॉर्ड 24 अक्टूबर को दुबई में टूट गया। भारतीय टीम के लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया 2.1 ओवर में ही रोहित शर्मा (0) और केएल राहुल (3) आउट हो गए और टीम दबाव में आ गई1 ये दोनों विकेट शाहीन अफरीदी ने लिए।

सूर्यकुमार यादव (11) के रूप में तीसरा विकेट भी जल्द गिर गया। तीन विकेट 31 के स्कोर पर गिरने के बाद विराट कोहली और ऋषभ पंत ने चौथे विकेट के लिए 53 रन जोड़े लेकिन तभी पंत आउट हो गए। टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 151 रन के स्कोर तक पहुंच पाई तो इसमें कप्तान विराट के 57 रन का योगदान रहा। पाकिस्तान टीम ने 17.5 ओवर्स में बिना विकेट खोए हासिल कर लिया। मो. रिजवान ने 55 गेंदों पर नाबाद 79 और कप्तान बाबर आजम ने 52 गेंदों पर नाबाद 68 रन बनाकर भारतीय टीम को 10 विकेट से हरा दिया। तीन विकेट लेने वाले शाहीन अफरीदी प्लेयर ऑफ द मैच बने।

भाजपा को मिले जनादेश से मोदी और योगी को संभलने की है आवश्यकता-पुरी शंकराचार्य

प्रयागराज (ईएमएस)। गोवर्धन मठ पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा है कि वर्तमान लोकसभा चुनाव में पूरे देश से भाजपा को मिले जनादेश के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के सीएम योगी को संभलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कहीं न कहीं इसके पीछे उनका अहंकार है। पुरी शंकराचार्य ने कहा कि अगर अभी ये न संभाले तो इनका अहंकार इन्हें और गिरा देगा। कहा कि इस वक्त दोनों में अहंकार की पराकाष्ठा है।

शनिवार को अपने झूंसी के शिवगंगा आश्रम में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पुरी शंकराचार्य से जब आम लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिले जनादेश को लेकर सवाल किया गया तो पुरी शंकराचार्य ने कहा कि संतों की वाणी परिस्थिति को बना देती और और घटना को बता देती है। उदाहरण के लिए अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम जी को प्रतिष्ठित किया। उन्होंने सोचा कि इसका परिणाम भाजपा के पक्ष में होगा। उन्होंने शास्त्रीय मर्यादा का उल्लंघन जान बूझकर किया। ऐसा सुना है कि भाजपा अयोध्या में भी हार गई।

पुरी शंकराचार्य ने कहा कि नरसिंहराव आए और मुझसे टकराए, सबको पता है उनकी क्या दुर्गति हुई। ज्योति बसु, मुलायम सिंह यादव और लालू यादव मुझसे टकराए। जो सत्ता में आता है, वह पुरी शंकराचार्य से टकराता है। हम किसी से टकराते नहीं, लेकिन अगर कोई मुझे टकराता है तो मैं तो हार मानता नहीं और वह चारों खाने चित हो जाता है। मोदी और योगी की ओर इशारा करते हुए पुरी शंकराचार्य ने कहा कि अभी भी यह अगर न संभले तो चारों खाने चित हो ही जाएंगे। कहा कि अभी सपा और कांग्रेस वाले होली मना रहे हैं। उनके पौरूष से उनको विजय नहीं मिली है। बल्कि भाजपा की अदूरदर्शिता के कारण उनको विजय मिली है। केंद्र में बनने वाली गठबंधन की सरकार को लेकर किए गए सवाल पर पुरी शंकराचार्य ने कहा कि तोड़फोड़ और खरीद बिक्री का काम तो चलता है लेकिन अब छाती की चौड़ाई वो नहीं रह पाएगी, वाणी में पहले वाली

पाकिस्तान के लिए टी20 विश्व कप का सफर हो सकता हैं खत्म! - ऑलराऊंडर इरफान पठान

नई दिल्ली (ईएमएस)। टी20 विश्व कप में अमेरिका से पाकिस्तान की हार को लेकर भारतीय ऑलराऊंडर इरफान पठान का कहना है कि पाकिस्तान के लिए टी20 विश्व कप में सफर लगभग खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शानदार क्रिकेट नहीं खेल पाया। अमेरिका के साथ मुकाबले में उन्होंने बहुत गलतियां की जिसका खामियाजा उन्हें हार के रूप में चुकाना पड़ा।

अमेरिका का दो मैच जीत कर सुपर 8 में जाना आसान हो गया है। उसका अगला मुकाबले भारत और आयरलैंड के साथ होना हैं। अगर वह आयरलैंड से जीत जाता है तो तीन जीत के साथ आगे बढ़ जाएगा। वहीं, पाकिस्तान अगर भारत से हार गया तो उनकी दो हार हो जाएगी। भारत तो सुपर 8 में अमेरिका और कनाडा को हराकर चला जाएगा लेकिन अमेरिका की टीम एक जीत दर्ज कर ही पाकिस्तान के लिए मुसीबत खड़ी कर देगी।

इरफान पठान ने एक शो के दौरान कहा कि देखिए हम तो मैच जीत चुके हैं आयरलैंड से। पाकिस्तान मैच अमेरिका मैच हार चुका है। अब पाकिस्तान के लिए बाकी मैच जीतना बड़ा मुश्किल हो जाएगा। भारत के लिए बड़ा आराम है। अब आयरलैंड का जो मुकाबला है अगला वो भी बड़ा मुश्किल हो जाएगा जब वह अमेरिका से मुकाबला करेगी। अब ए-ग्रुप बहुत खरतनाक हो गया है। मुझे लगता है कि इंडिया टीम तो आगे निकल जाएगी। आप उम्मीद करेंगे कि इंडिया पाकिस्तान से जीते और अगले दो मैच भी जीते और अच्छी स्थिति में रहे। लेकिन दूसरी टीम कौन सी होगी। बहुत सारी टीमें खड़ी हो जाएंगी और ऊलटफेर के दौर में शानदार ऊलटफेर हुआ कि अमेरिका ने 40 ओवर तक शानदार क्रिकेट खेला। पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी करते वक्त पूरी तरह से दबा कर रखा सौरव नेत्रवलकर ने। यह जो नजारे देखने को मिल रहे हैं। यह स्पैशल नजारे हैं।

इससे पहले इरफान ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की धीमी पारी खेलने पर आलोचना की और कहा कि बाबर ने अपनी ही टीम की मदद नहीं की। पठान ने एक्स पर लिखा- एक कप्तान के रूप में अगर आप 100 स्ट्राइक रेट के साथ 40 गेंद की पारी खेल रहे हैं तो यह काफी अच्छी बल्लेबाजी स्थिति है। आप अपनी टीम की मदद नहीं कर रहे हैं।

पाकिस्तान की शुरूआत खराब रही और उन्होंने पावरप्ले के अंदर ही तीन विकेट गंवा दिए। बाबर आजम ने 42 और शादाब खान ने 40 रन बनाकर पारी को संभाल लिया। तभी शाहीन अफरीदी ने आखिरी ओवरों में हिट लगाते हुए स्कोर 159 तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी अमेरिका ने कप्तान मोनाक पटेल के अर्धशतक और एरोन जोंस की महत्वपूर्ण पारी की बदौलत मुकाबला टाई करवा लिया। सुपरओवर में पहले खेलने उतरी अमेरिका ने 18 रन बना दिए। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तानी टीम 13 रन ही बना पाई और 5 रन से मुकाबला गंवा दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की कार्यकर्ताओं को नसीहत......24 घंटे 365 दिन जनता के बीच रहो

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में शनिवार को दिल्ली की अशोक होटल में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से नेता विपक्ष बनने के लिए पार्टी सदस्यों ने अनुरोध किया। इस पर राहुल ने सोच-विचार करने के लिए समय मांगा। शाम 5.30 बजे संसद के सेंट्रल हॉल में कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक होगी। इसमें संसदीय दल का नेता चुना जाएगा।

लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद पहली बार कांग्रेस भी बड़ी बैठक कर रही है। बैठक की शुरुआत में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने देशभर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को धन्यवाद दिया है। खरगे ने कहा, जनता ने तानाशाही और असंवैधानिक ताकतों को तगड़ा जवाब दे दिया है। लोगों को कांग्रेस में भरोसा है। देश के वोटर्स ने बीजेपी के 10 साल के शासन को नकारा है। बीजेपी ने देश में बांटने की और घृणा की राजनीति की है। सीडब्ल्यूसी की तरफ से खरगे ने नवनिर्वाचित सांसदों को बधाई दी। उन्होंने कहा, हम लड़े और जीते। परिस्थितियां प्रतिकूल थीं फिर भी हमारी जीत हुई। खरगे ने पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी चुनाव के दौरान सक्रिय रहने के लिए धन्यवाद दिया।

इस मौके पर खरगे ने राहुल गांधी को धन्यवाद देकर कहा कि उनकी वजह से ही देश में संविधान के बारे में विचार, आर्थिक असमानता, बेरोजगारी और सामाजिक न्याय के मुद्दे उठाए गए और जनता को ये बातें समझ में भी आईं। भारत जोड़ो यात्रा के असर के बारे में खरगे ने कहा, कांग्रेस पार्टी के वोट शेयर और सीट दोनों में बढ़ोतरी हुई है। जहां से भी कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा निकली है, वहां खासा असर देखने को मिला है। मणिपुर इसका उदाहरण है।

उन्होंने कहा, मणिपुर में कांग्रेस को दोनों सीटों पर जीत मिली। इसके अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों नगालैंड, असम, मेघालय में भी कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली है।

पांच दिन अंधड़-गर्मी से राहत नहीं आसमान से बरस रही मौत, 60 की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर भारत को पांच दिन अंधड़ और गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है। मानसून अभी देशभर में छाया नहीं है, लेकिन उससे पहले ही आसमानी बिजली गिरने से मौत का सिलसिला शुरू हो गया है। देशभर में में वर्षाजनित हादसों में एक सप्ताह में साठ लोगों की मौत हो गई है। संपत्ति का भी भारी नुकसान हुआ है। राजस्थान में अंधड़ से उखड़े पेड़ की चपेट में आकर मां-बेटी की मौत हो गई। वहीं, मप्र के दस जिलों में भी आंधी-तूफान के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी भारत, उत्तर प्रदेश व पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश में पांच दिन लू की संभावना है। उत्तर पश्चिम भारत में रविवार को तेज गरज के साथ बारिश हो सकती है। आंधी-तूफान भी आ सकता है। हालांकि, बीते 24 घंटे के दौरान इन राज्यों में तापमान में कुछ गिरावट आई, लेकिन पारा 42-44 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहा। उत्तर प्रदेश के उरई में अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश व राजस्थान के ऊपरी वायुमंडल में चक्रवात बना हुआ है, जिससे अरब सागर से नमी लिए हवाएं बह रही हैं। इसके असर से 10 जिलों में बारिश व अंधड़ की संभावना है। वहीं, केरल के तीन जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज और पांच अन्य जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

श्रीनगर में बारिश, गुलमर्ग में बर्फ की चादर

जम्मू-कश्मीर में जून माह के शुरुआती दिनों में 40 डिग्री को छू रहा पारा, पिछले तीन दिनों से आंधी-तूफान और बारिश के कारण नीचे आ गया है। शुक्रवार को कश्मीर में कुछ स्थानों पर बारिश के साथ गुलमर्ग सहित अन्य पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी हुई है। जम्मू में भी तेज गर्मी से थोड़ी राहत है। घाटी में मौसम सुहावना बना हुआ है। यहां अधिकांश जिलों में दिन का पारा सामान्य से 6 से 8 डिग्री तक नीचे चला गया है। रात में भी ठंडक कायम है। जम्मू में लगातार दो दिन से दिन का पारा 40 डिग्री से नीचे रहकर शुक्रवार को 38.6 और न्यूनतम तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू में दिन के साथ तेज गर्मी का अहसास हो रहा है, पर रात में मौसम सुहावना बना है। लेह में न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इस बार हीटवेव 1.5 डिग्री अधिक गर्म

भारत में इस साल मई में अनुभव की गई हीटवेव पहले दर्ज की गई हीटवेव से लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म रही। यह खुलासा जलवायु वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के एक स्वतंत्र समूह क्लाइमामीटर ने अध्ययन के बाद किया है।शोधकर्ताओं ने लगातार बढ़ते तापमान को लेकर चेताया कि निकट भविष्य में यह मानव के लिए घातक होगी। शोधकर्ताओं ने भारत में मई में अनुभव की गई हीटवेव के तापमान में वृद्धि होने के कारणों का पता लगाने के लिए 1979 से 2001 की तुलना वर्तमान 2001 से 2023 से की। क्लाइमामीटर के विश्लेषकों ने कहा कि मई में भारत में झेली गई तीव्र और लंबी हीटवेव प्राकृतिक रूप से होने वाली अल नीनो घटना और वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की तेजी से बढ़ती सांद्रता का परिणाम थी। फ्रेंच नेशनल सेंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च के डेविड फरांडा ने कहा कि क्लाइमामीटर के निष्कर्षों से पता चलता है कि जीवाश्म ईंधन के जलने के कारण भारत में हीटवेव असहनीय तापमान सीमा तक पहुंच रही है।

पश्चिमी देशों के विरोधियों को हथियार देने पर विचार करेगा रुस

मास्को,(ईएमएस)। रुप के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस पश्चिमी देशों विरोधियों को हथियार भेजने पर विचार करेगा। उन्होंने यह नहीं बताया कि वे किन देशों या संस्थाओं की बात कर रहे हैं। पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि रूस फिलहाल ऐसा नहीं कर रहा है।

पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच से कहा कि यदि वे युद्ध क्षेत्र में हथियार उपलब्ध कराते हैं और हमारे क्षेत्र के खिलाफ इन हथियारों का इस्तेमाल करने का आह्वान करते हैं तो हमें ऐसा करने का अधिकार क्यों नहीं है? पुतिन ने बुधवार को चेतावनी दी थी कि रूस पश्चिमी देशों में लक्ष्यों पर हमला करने के लिए अन्य देशों को लंबी दूरी के हथियार मुहैया करा सकता है।

यूक्रेन की बमबारी में 22 नागरिको की मौतः रूस

मास्को(ईएमएस)। रुस के दावा किया है कि यूक्रेन की सेना ने शुक्रवार को रूस के खेरसॉन क्षेत्र के सदोवोये गांव में एक स्टोर पर दो बार बमबारी की, जिसमें 22 नागरिक मारे गए। क्षेत्रीय गवर्नर व्लादिमीर साल्डो ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार श्री साल्डो ने कहा कि हमले के समय स्टोर के अंदर बड़ी संख्या में ग्राहक और कर्मचारी मौजूद थे। रिपोर्ट में श्री साल्डो के हवाले से कहा गया। पहला हमला एक निर्देशित फ्रांसीसी हवाई बम से किया गया था और दूसरा अमेरिकी हिमार्स प्रक्षेपास्त्र द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा, पहले हमले के बाद पड़ोसी घरों से लोग पीड़ितों की मदद करने के लिए बाहर निकले। थोड़े समय के बाद हिमार्स से हमला हुआ।

अक्टूबर में आरबीआई की बैठक में रेपो दर में कटौती की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने लगातार आठवीं बार रेपो दर को 6.5 फीसदी पर बनाए रखने का विकल्प चुना, जो कटौती की कुछ उम्मीदों से अधिक है। हालांकि, यह निर्णय सर्वसम्मति से नहीं लिया गया, क्योंकि दो सदस्यों ने 25 आधार अंकों की कटौती का समर्थन किया। एसबीआई रिसर्च ने वित्त वर्ष 24-25 की दूसरी छमाही में दरों में कटौती की उम्मीद जताई है। एसबीआई रिसर्च ने नीति-पश्चात रिपोर्ट में भविष्यवाणी की है कि आरबीआई अगस्त में फिर से दरों को स्थिर रखेगा। इसके साथ वित्त वर्ष 24-25 की दूसरी छमाही में अपने रुख का संभावित रूप से पुनर्मूल्यांकन करेगा।

रिपोर्ट में अक्टूबर 2024 में पहली रेपो दर में कटौती का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट बताती है कि जून में नीतिगत निर्णय आरबीआई द्वारा सतर्क दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो संभवतः हाल ही में हुए राजनीतिक परिवर्तन से प्रभावित है।

जबकि नीति दिशा काफी हद तक अपरिवर्तित बनी हुई है। आरबीआई समायोजन करने से पहले नई सरकार के आर्थिक कदमों का अवलोकन कर सकता है। आरबीआई मुद्रास्फीति को 4 फीसदी के अपने लक्ष्य के करीब लाने को प्राथमिकता देना जारी रखता है। इसने वित्त वर्ष 24-25 के लिए अपने मुद्रास्फीति पूर्वानुमान को 4.5 फीसदी पर बनाए रखा। खाद्य मुद्रास्फीति एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है, जिसमें अस्थिर कच्चे तेल की कीमतों, वित्तीय बाजारों और बढ़ती गैर-ऊर्जा वस्तुओं की कीमतों से संभावित जोखिम हैं।

पीएम मोदी के बाद अब भारतीय न्यायपालिका के दीवाने हुए इमरान खान

कराची (ईएमएस)। जेल जाने के बाद ऐसा लगता है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को भारत से प्रेम हो गया है। बीते कुछ सालों में कई चीजों के लिए भारत की तारीफ करने वाले इमरान भारतीय न्यायपालिका के दीवाने हो गए है। उन्होंने अपने केस की सुनवाई के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का हवाला देकर भारतीय न्यायिक व्यवस्था की तारीफ की।

इमरान ने सुनवाई के दौरान पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यी बेंच के सामने कहा कि हमारे पड़ोसी मुल्क में एक ऐसी न्यायपालिका है, जो चुनाव प्रचार के लिए जेल में बंद एक मुख्यमंत्री को जमानत पर रिहा कर देती है। बेंच से उन्होंने कहा कि अप्रैल 2022 में सत्ता से हटाए जाने के बाद से ही उनकी प्रताड़ना हो रही है। इस पर जस्टिस मिनाल्लाह ने सहानुभूति जताकर कहा कि आप एक बड़ी पार्टी के नेता हैं, इस करोड़ों लोग सपोर्ट करते हैं। इमरान ने कहा कि पांच दिनों के भीतर उन्हें सजा सुना दी गई, जो आम चुनाव से उन्हें दूर रखने की एक सोची समझी साजिश थी। इमरान ने उल्लेख किया कि भारत में आम चुनाव के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत पर रिहा किया था ताकि वह अपनी पार्टी के लिए चुनाव प्रचार कर सकें, लेकिन वह (खान) पाकिस्तान में अत्याचार का सामना कर रहे हैं जहां अघोषित मार्शल लॉ लगा हुआ है। इसके पहले इमरान कई बार पीएम मोदी और उनकी नीतियों की तारीफ कर चुके हैं।

अरबपति रेप के आरोप में गिरफ्तार

ओटावा (ईएमएस)। कनाडा के मशहूर बिजनेसमैन फ्रैंक स्ट्रोनक को यौन उत्पीडऩ के आरोप में गिरफ्तार किया गया। स्ट्रोनक दुनिया की सबसे बड़ी ऑटो पाट्र्स कंपनी के फाउंडर हैं। पुलिस ने स्ट्रोनक को फिलहाल कुछ शर्तों पर रिहा कर दिया है। उन्हें बाद में ब्रैम्पटन, ओंटारियो की एक अदालत में पेश होना होगा। कनाडा की पील रिजनल पुलिस ने एक बयान में कहा कि 91 साल के स्ट्रोनक पर 80 के दशक से लेकर 2023 तक महिलाओं का यौन उत्पीडऩ करने का आरोप है। मशहूर बिजनेसमैन पर रेप, यौन उत्पीडऩ, महिला को जबरन कैद रखने समेत पांच अपराधों में आरोपी बनाया गया है। पील रिजनल पुलिस कॉन्स्टेबल टेलर बेल ने कहा कि बिजनेसमैन पर एक से अधिक महिलाओं ने शोषण का आरोप लगाया है। हालांकि उन्होंने ये जानकारी नहीं दी कि कितनी महिलाओं ने ये आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह एक हाई-प्रोफाइल मामला है।

आईआरएस अधिकारी बिंद्रा संभालेंगे सीसीआई सचिव का पद

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी इंद्रपाल सिंह बिंद्रा जल्द ही भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के सचिव का पदभार संभालेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक बिंद्रा सीसीआई में अनुपमा आनंद की जगह लेंगे, जिन्होंने आठ महीने के भीतर ही सचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। अनुपमा भी भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी हैं। बिंद्रा की नियुक्ति पदभार संभालने की तारीख से तीन साल के लिए की गई है। प्रतिस्पर्धा आयोग बाजार में अनुचित व्यापार प्रथाओं पर नजर रखता है और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का काम भी करता है।

सेबी ने एचएएल मामले में एक व्यक्ति पर 20 लाख का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के शेयरों में लेनदेन करते समय बाजार मानकों के उल्लंघन से संबंधित मामले में भेजे गए समन का पालन न करने पर एक व्यक्ति पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया। सेबी ने व्यक्ति को 45 दिनों के भीतर जुर्माने की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया है। नियामक ने मानदंडों के कथित उल्लंघन के लिए उसके खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी। इसके बाद आठ मई, 2024 को सेबी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था। सेबी के एक निर्णायक अधिकारी ने एक आदेश में कहा ?कि मामले की जांच रिपोर्ट में दर्ज है कि सूचना देने में विफलता और जांच प्राधिकारी (आईए) के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने में विफलता ने जांच प्रक्रिया को बाधित किया है और यह नियामक के प्रति उनके उदासीन रवैये और घोर उपेक्षा को दर्शाता है। नियामक ने उस व्य?क्ति को सेबी के मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए दंडित किया। एक अलग आदेश में बाजार नियामक ने प्रकटीकरण नियमों का उल्लंघन करने के लिए मैजेस्टिक ऑटो लिमिटेड पर भी सात लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी ने मैजेस्टिक ऑटो लिमिटेड (एमएएल) के संबंध में एक जांच की थी। जांच में नियामक ने पाया कि मैजेस्टिक ऑटो ने कथित तौर पर सूचीबद्धता दायित्व एवं खुलासा प्रावधानों का उल्लंघन किया था।

पाकिस्तान परमाणु हथियारों के जखीरे की सुरक्षा को मजबूत करने बना रहा सुरंग

-इस बात का खुलासा सैटलाइट तस्वीरों से हुआ

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान ने अपने परमाणु हथियारों के जखीरे की सुरक्षा को मजबूत साइलो (सुरंग) बना रहा है ताकि उसके अंदर परमाणु मिसाइलों और वारहेड को सुरक्षित रख सके। इस बात का खुलासा सैटलाइट तस्वीरों से हुआ है।

पाकिस्तान पूरे देश में अपने परमाणु ठिकानों के चारों ओर बड़ी बड़ी सुरंगे बना रहा है और उसके प्रवेश द्वार की तस्वीरें अब सामने आ गई हैं। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान को डर है कि भारत उसके परमाणु ठिकानों को तबाह कर सकता है। इससे पाकिस्तान सरकार परमाणु बम के जखीरे के आसपास सुरंगे बना रही है ताकि उसे सुरक्षित रखा जा सके। रक्षा विशेषज्ञ और भारतीय सेना में पूर्व कर्नल विनायक भट्ट ने इन तस्वीरों को जारी किया है।

भट्ट ने बताया कि पाकिस्तान ने अपने न्यूक्लियर अलर्ट के स्तर को भी बदला है। हाल ही में पाकिस्तान ने कहा था कि उसकी परमाणु हथियारों को लेकर कोई नो फर्स्ट यूज की नीति नहीं है। अगर उसे खतरा लगा तो परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु बम हैं। वहीं भारत ने भी कहा कि अगर कोई भी देश परमाणु हमला करता है तो भारत की ओर से जवाबी हमला किया जाएगा।

बता दें कि अमेरिका खुफिया अधिकारी ने खुलासा किया था कि पाकिस्तान कंगाली के बाद भी अपने परमाणु कार्यक्रम को बहुत तेजी से बढ़ा रहा है। पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव बना हुआ है और इसको देखते हुए पाकिस्तान परमाणु बमों को बनाने का काम जारी रखे हुए है। अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने संसद में सुनवाई के दौरान यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय कश्मीर विवाद सुलझाने में मदद करे।

बता दें पाकिस्तान अरबों डॉलर के कर्ज डूबा है और आईएमएफ से लोन लेकर अभी डिफॉल्ट से बचा हुआ है। इसके बाद भी पाकिस्तान परमाणु बमों पर अरबों रुपये खर्च कर रहा है। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम में चीन बड़ी भूमिका निभा रहा है। अमेरिकी जनरल ने कहा कि पाकिस्तान अपने परमाणु हथियारों को आधुनिक बना रहा है। साथ ही परमाणु सामग्री की सुरक्षा को पुख्ता कर रहा है। पिछले साल अक्टूबर में पाकिस्तान ने परमाणु हथियार ले जाने वाली अबाबील मिसाइल का परीक्षण किया था।

रुक-रुक कर आ रहे अजीब रेडियो सिग्नल, खगोलविद हैरान

वाशिंगटन (ईएमएस)। रुक-रुक कर अंतरिक्ष से आने वाले अजीब रेडियो सिग्नलों से खगोलविद हैरान है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही खगोलविद ऐसे रेडियो तरंगों तक पहुंच गए हैं जिसे न उन्होंने पहले देखा न जिसके बारे में पहले कभी सुना। वह कहते हैं कि यह बेहद हैरतअंगेज है और इस रुक रुककर आने वाली आवाज का पूरा एक चक्र लगभग एक घंटे लंबा है।

इन अजीबोगरीब आवाजों के बारे में आगे यह रिपोर्ट बताती है कि यह आवाज कभी तो एकदम लंबी धुन की तरह होती है और कभी यह उज्ज्वल रूप से चमक जाती है। वहीं कभी-कभी एकदम तेज सुनाई देती है और कभी- कभी कमजोर लहर सी पैदा करती है। वह कहते हैं कि कभी यह आवाज का चक्र एकदम सन्नाटे में पसर जाता है। एस्ट्रोनॉट कहते हैं कि हम यह स्पष्ट नहीं कह सकते कि यहां हो क्या रहा है। हो सकता है कि यह कोई असामान्य न्यूट्रॉन तारा हो लेकिन हम अन्य संभावनाओं से इंकार नहीं कर सकते। वैसे बता दें कि कुछ ही समय पहले नासा की इंटरनेशन टीम ने ट्रांजिटिंग एक्सोप्लेनेट सर्वे सैटेलाइट की मदद से पृथ्वी से लगभग 40 प्रकाश वर्ष दूर एक नए ग्रह की खोज की थी जिसका साइज और वायुमंडल पृथ्वी की ही तरह है। अब तक खोजे गए किसी रहने योग्य एक्सोप्लैनेट में यह धरती से सबसे करीब है।

आरबीआई का ब्याज दर स्थिर रखने का फैसला उम्मीद के अनुरूपः शीर्ष बैंकर

- बैंकर ने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत करने का भी स्वागत किया

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का ब्याज दर को स्थिर रखने का फैसला उम्मीद के अनुरूप ही है। शीर्ष बैंक अधिकारियों ने यह बात कही। उन्होंने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत करने का भी स्वागत किया। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने नीतिगत रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैसला किया है। फरवरी, 2023 से ही रेपो दर स्थिर बनी हुई है। भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि रेपो दर पर यथास्थिति बनाए रखने सहित नीति फैसला उम्मीद के मुताबिक है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत करने से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि संभावनाओं में केंद्रीय बैंक का भरोसा बढ़ा है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा कि वृद्धि अनुमान में संशोधन ने महामारी के बाद भारत की लगातार मजबूत वृद्धि की पुष्टि की है। उन्होंने नियामकीय उपायों का स्वागत करते हुए कहा ?कि घरेलू वृद्धि मुद्रास्फीति परिदृश्य अनुकूल रहा है और दूसरी तिमाही में मुद्रास्फीति चार प्रतिशत से नीचे जाती हुई नजर आ रही है। इंडियन ओवरसीज बैंक के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि उदार रुख को वापस लेने के फैसले पर कायम रहने से संतुलित नजरिये का पता चलता है, जिससे टिकाऊ आर्थिक वृद्धि के साथ महंगाई को काबू में रखने में मदद मिलेगी। इंडियन बैंक के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि नीतिगत समीक्षा मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखते हुए आर्थिक वृद्धि को संतुलित करने के आरबीआई के सतर्क नजरिये को दर्शाती है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने कहा कि मुद्रास्फीति पर केंद्रीय बैंक के ध्यान देने से आने वाले महीनों में दरों में कटौती की गुंजाइश बन सकती है। टाटा कैपिटल के एक अ?धिकारी ने कहा कि आरबीआई का सहयोगी रुख और मौजूदा बाजार की स्थिति अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर है। इससे आगे चलकर ब्याज दरें कम होंगी और निवेश बढ़ेगा।

आरबीआई ने बैंकों को आईटी-इंफ्रा में निवेश करने को कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय ?रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को खामियों में कमी लाने के लिए आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर में पर्याप्त निवेश करने को कहा है। रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक के बाद शुक्रवार को मी?डिया से बातचीत के दौरान आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह बात कही है। शक्तिकांत दास ने कहा ?कि जब भी कोई टेक्निकल रुकावट आती है, तो समस्या एनपीसीआई और यूपीआई में नहीं होती, बल्कि बैंकों की समस्याएं होती हैं। इसके कई कारण हैं, जिनसे हम निपट रहे हैं। हाल ही में आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक के टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म पर सुपरवाइजरी कंसर्न का हवाला देते हुए ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक लगा दी थी। आरबीआई ने कोटक बैंक पर ये प्रतिबंध किसी भी संभावित लंबे समय तक रुकावट को रोकने के लिए लगाए हैं। रुकावटों से न केवल बैंक की अच्छी कस्टमर सर्विस प्रोवाइड करने की क्षमता पर, बल्कि डिजिटल बैंकिंग और पेमेंट सिस्टम्स के फाइनेंशियल इकोसिस्टम पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

हज यात्रा एक धार्मिक आयोजन है ना कि राजनीति का मंच-सऊदी सरकार ने यात्रियों को बेहतर सुविधा देने कई नियम बदले

रियाद,(ईएमएस)। हज यात्रा करने दुनियाभर से लाखों मुसलमान सऊदी अरब पहुंचे हैं। हज यात्रा के दौरान राजनीतिक नारेबाजी और प्रदर्शन के कुछ मामले भी सामने आए हैं। इस पर सऊदी अरब सरकार ने नाराजगी जताई है। सऊदी सरकार ने कहा कि हज यात्रा एक धार्मिक आयोजन है ना कि राजनीति का मंच। ऐसे में यहां आए हाजी धार्मिक अनुष्ठान यानी अरकानों पर ही ध्यान दें। सऊदी सरकार का यह बयान ऐसे समय आया है, जब दुनिया भर के मुसलमान गाजा में इजरायल के सैन्य अभियान की निंदा कर रहे हैं। इसे देखते हुए सऊदी अरब ने हज को राजनीतिक विरोध के मंच की तरह इस्तेमाल करने के प्रति चेताया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब हज मंत्री तौफीक अल रबिया ने एक बयान में कहा कि हज इबादत के लिए है ना कि राजनीतिक नारेबाजी करने की जगह। हज पर आए लोगों को इससे बचना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हज यात्रा इबादत, शांति और आध्यात्मिकता के उच्चतम स्तर का प्रतीक है। हज यात्रा राजनीतिक प्लेटफॉर्म की तरह इस्तेमाल ना हो।

उन्होंने कहा कि हमने नियमों का पालन के लिए काम किया है। इस साल सऊदी सरकार हज यात्रा के दौरान राजनीतिक बैनर उठाने या नारे लगाने के किसी भी प्रयास पर बैन लगाने पर विचार कर रही है। इस साल के हज के लिए रेकॉर्ड संख्या में मुस्लिम सऊदी अरब गए हैं। सऊदी सरकार ने बेहतर सुविधा देने की बात कहते हुए कई नियम बदले हैं, जिससे एक तरफ हाजियों को सुविधा तो होगी तो चूक होने पर मुश्किल का भी सामना करना पड़ सकता है।

सऊदी अरब ने बिना परमिट के बिना हज करने की कोशिश करने वालों के लिए घोषणा की है कि बिना परमिट के लोगों को हज करने वाले व्यक्ति पर 50 हजार रियाल (करीब 11 लाख भारतीय रुपए) का जुर्माना लगाया जाएगा। सऊदी अरब के हज मंत्रालय ने इस साल पवित्र स्थलों में एंट्री देने के लिए तीर्थयात्रियों के लिए आधिकारिक तौर पर नुसुक कार्ड लॉन्च किया है। नुसुक कार्ड सभी हाजियों को दिया जाएगा ताकि फर्जी तरीके से किसी को पवित्र स्थलों में एंट्री करने से रोका जा सके। इतना ही नहीं मक्का में एंट्री के लिए भी परमिट की जरूरत होगी, बिना परमिट मक्का में एंट्री नहीं दी जाएगी।

बहुत जल्द लिफ्ट में बैठकर कर सकेंगे मंगल ग्रह की सैर -जापान की कंपनी ओबायशी बना रही ऐसी लिफ्ट

टोक्यो (ईएमएस)। अभी तक भले इंसान मंगल ग्रह पर स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष में जाता है, मगर बहुत जल्द लिफ्ट में बैठकर अंतरिक्ष की सैर कर सकेगा। जापान की कंपनी ओबायशी एक ऐसी लिफ्ट (स्पेस एलिवेटर) बना रही है, जो हमें रिकॉर्ड समय में मंगल ग्रह तक पहुंचा देगी।

जापानी कंपनी ओबायशी कॉर्पोरेशन स्पेस एलिवेटर बनाने पर काम कर रही है। स्पेस एलिवेटर प्लान पर काम कर रहे ओबायशी से जुड़े योजी इशिकावा ने कहा कि कंपनी फिलहाल रिसर्च, रफ डिजाइन, पार्टनर्शिप बिल्डिंग और प्रमोशन के काम में लगी हुई है।

मंगल ग्रह तक पहुंचने में अभी छह से आठ महीने तक का समय लगता है। मगर अब वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि अंतरिक्ष एलिवेटर हमें तीन से चार महीने या यहां तक कि 40 दिनों में स्पेस में पहुंचा सकता है। ओबायशी कॉर्पोरेशन ने पहली बार 2012 में स्पेस लिफ्ट के लिए अपनी योजना की घोषणा की थी।कंपनी का कहना है कि वह साल 2025 में 100 बिलियन डॉलर की परियोजना पर निर्माण शुरू करेगी।

और साल 2050 तक लिफ्ट से स्पेस तक ऑपरेशन शुरू हो सकता है। हालांकि, इशिकावा का मानना है कि कंस्ट्रक्शन का काम अगले साल से शुरू नहीं होगा। ओबायशी की मानें तो सीधी रेखा में चुंबकीय मोटर से चलने वाली रोबोटिक कारों को नवनिर्मित स्पेस स्टेशन तक ले जाया जाएगा। इस लिफ्ट में लोगों को सामान के साथ ले आया और ले जाया जाएगा।

हालांकि, कुछ एक्सपर्ट्स को संदेह है कि क्या ऐसी संरचना संभव भी है। उन्होंने कहा कि यह एक तरह का अजीब विचार है। ऐसा कहा जाता है कि कुछ लोग हैं, जो वास्तव में वैज्ञानिक हैं। जो वास्तव में इसके साथ हैं और वास्तव में इसे साकार करना चाहते हैं।अगर स्पेस एलिवेटर यानी अंतरिक्ष लिफ्ट का कॉन्सेप्ट सच साबित होता है तो यह एक क्रांतिकारी डेवलपमेंट होगा।

पहली बात तो यह कि इस लिफ्ट से आने-जाने में लगने वाली लागत अंतरिक्ष में पेलोड भेजने की लागत से भी कम होगी। दूसरी बात यह कि इससे पर्यावरण को भी अधिक नुकसान नहीं होगा, जितना कि पेलोड से होता है। रॉकेट में बड़ी मात्रा में ईंधन की आवश्यकता होती है। रॉकेट से काफी मात्रा में उत्सर्जन भी होता है।

स्वामीनारायण संप्रदाय के एक और साधु की काली करतूत, युवती ने दर्ज कराई दुष्कर्म की शिकायत

वडोदरा (ईएमएस) स्वामीनारायण संप्रदाय फिर एक बार विवादों में घिर गया है। स्वामीनारायण संप्रदाय के एक साधु के खिलाफ वडोदरा की एक युवती ने न्यूड कॉल करने, गंदी बातें करने और दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के वाडी पुलिस थाने में 23 वर्षीय एक युवती ने स्वामीनारायण संप्रदाय के एक साधु के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज करवाई है। वडोदरा में वडताल स्वामीनारायण संप्रदाय के स्वामी जगत पावन स्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के मुताबिक वर्ष 2016 में वाडी क्षेत्र स्थित स्वामीनारायण मंदिर में पीड़िता अपने पिता के साथ दर्शन करने जाती थी। उस वक्त जगत पावन स्वामी ने पीड़िता के पिता का मोबाइल नंबर ले लिया। एक बार जगत पावन का कॉल आया, जिसे युवती ने रिसीव किया और बातचीत की। उस दौरान जगत पावन ने युवती का मोबाइल नंबर लिया और उसके बाद उसी नंबर पर पीड़िता से बात करने लगा। वर्ष 2016 में जगत पावन ने गिफ्ट के तौर पर घड़ी देने बहाने पीड़िता को वाडी मंदिर के निचले कमरे में बुलाया। पीड़िता के उस रूम में पहुंचने के बाद जगत पावन ने उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद पीड़िता को धमकी दी कि अगर उसने किसी को कुछ कहा तो वह जहर पीकर आत्महत्या कर लेगा। इतना ही नहीं पीड़िता के परिवार को जान से मार देने की धमकी दी। उस घटना के बाद जगत पावन वॉट्सएप ग्रुप में अश्लील बातें कर पीड़िता की न्यूड तस्वीरें मांगने लगा। साथ ही ग्रुप में न्यूड वीडियो कॉल करवा अश्लील हरकतें करने को पीड़िता से कहता। जगत पावन द्वारा यह हरकतें उस समय की गई जब पीड़िता 14 साल की थी, जो आज 23 साल की है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा कि उस वक्त मेरे पास कोई सोर्स नहीं था कि मैं पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा सकूं। पीड़िता के मुताबिक जगत पावन के पास उसके न्यूड फोटो और वीडियो भी हैं, जिसे तुरंत डिलीट करवाने की युवती ने मांग की है। साथ ही आरोपी जगत पावन को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

गुजरातवासियों के लिए बड़ी खबर, बारिश से पहले बढ़ा नर्मदा डेम का जलस्तर

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में मानसून ने अभी दस्तक नहीं दी है और उससे पहले गुजरात के लोगों को खुश करने वाली खबर सामने आई है। बारिश से पहले गुजरात की जीवनदायिनी माने जाते नर्मदा डेम के जलस्तर में इजाफा हुआ है। ऐसा पहली बार हुआ है जब जून महीने में नर्मदा डेम के जलस्तर 123 मीटर पर पहुंच गया है।

दरअसल महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बिजली का उत्पादन होने से नर्मदा डेम में नई जलराशि आने से जलस्तर 123.98 पर पहुंच गया है। नर्मदा डेम का न्यूनतम जलस्तर 121.92 मीटर है और अधिकतम 138.68 मीटर है। फिलहाल ऊपरी हिस्से से नर्मदा डेम में 94 हजार क्यूसेक पानी की आय हो रही है और उसमें से 20 हजार क्यूसेक पानी मुख्य नहर में छोड़ा जा रहा है। बताया जाता है कि जारी वर्ष में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बिजली की मांग बढ़ने से टर्बाइन चालू किए गए हैं और इस कारण नर्मदा डेम में नई जलराशि आई है। वैसे तो हर साल गर्मियों में टर्बाइन चालू किए जाने से नर्मदा में पानी की आय होती है। लेकिन इस वर्ष नर्मदा डेम का जलस्तर पिछले वर्षों के मुकाबले काफी अच्छा है। इस वर्ष बारिश से पहले ही नर्मदा डेम का जलस्तर 123 मीटर को पार कर गया है।

अनियंत्रित कार ने लोगों को कुचला बच्चे सहित तीन लोगों की मौत

सूरत (ईएमएस)। गुजरात के सूरत शहर के मोटा वराछा इलाके में तेज रफ्तार में जा रही एक कार ने सड़क किनारे बैठे कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में एक बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। हादसे को अंजाम देने वाले कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है।

पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार रात करीब 11.30 बजे शहर के बाहरी रिंग रोड पर हुई। उन्होंने कहा कि कार चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार सड़क से उतर गई और सड़क के किनारे बैठे लोगों को कुचल दिया। घटना में आठ साल के बच्चे वियान और उसके 32 वर्षीय चाचा संकेत बावरिया व एक अन्य की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि जिस कार ने लोगों को कुचला, वहां अहमदाबाद से आ रही थी। कार चालक को नींद की झपकी आ गई थी। जब कार चालक को लगा कि कार अनियंत्रित हो गई है, तब कार चालक ने अचानक ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबा दिया, जिससे कार की स्पीड बढ़ गई। नतीजतन, कार पास के इलाके के लोगों के ऊपर चढ़ गई। ये लोग सड़क के किनारे बैठे थे। उसमें से तीन लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। कार चालक की पहचान 40 वर्षीय याग्नेश गोहिल के रूप में हुई है, याग्नेश को गिरफ्तार कर लिया गया है।

परिवार के ५ सदस्य हैजा के समुद्र में डूब गए

भावनगर, ८ जून। फिलहाल स्कूलों में छुट्टियां चल रही हैं तो हर कोई अपने परिवार के साथ बाहर जा रहा है, मौज-मस्ती करने के लिए ऐसी जगहों पर जा रहा है, जहां पूरा परिवार एक साथ शांति से समय बिता सके और एन्जॉय कर सके। इसी विचार के साथ एक परिवार समुद्र तट पर समय बिताने गया और उसे त्रासदी का सामना करना पड़ा।

कोलियाक में निष्कलंक महादेव के समुद्र में डूबे एक ही परिवार के पांच सदस्यों की तैराकों ने जान बचा ली। जब मां और बेटी ने पानी पी लिया, तो उन्हें इलाज के लिए भावनगर सर टी। अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मूल धोलेरा के शेला गांव के मूल निवासी इंदुबेन लाभुभाई राठौड़ (उम्र ३५ वर्ष), शहर के मफतनगर इलाके के बोरतलाव में रहते हैं, अपनी दो बेटियों निताबेन लाभुभाई राठौड़ (उम्र १३ वर्ष), पायलबेन लाभुभाई के साथ रहते हैं। राठौड़ (उम्र १८ वर्ष) परिवार कोलियाक में निष्कलंक महादेव पर समुद्र स्नान के लिए गया था। तभी वह पानी के बहाव में डूबने लगा और बचाओ।

हिट एन्ड रन की घटना में पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत, अन्य बुरी तरह घायल

सूरत (ईएमएस) शहर के मोटा वराछा क्षेत्र के रिंग रोड पर तेज रफ्तार ने एक ही परिवार पर कहर बरपाया। बेलगाम कार की चपेट में आए पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि अन्य बुरी तरह घायल हो गए, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने कार के चालक को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के वेलंजा गांव के शिव पार्क रेसिडेन्सी निवासी 22 वर्षीय अजय रसिक मियाणी ने हीरे तराशने का काम कर परिवार की गुजर बसर करता था। बीते दिन अजय मियानी अपनी बहन हिरल अपने मूल निवास बोटाद जानेवाली थी, इसलिए अन्य बहन तेजल, बहनोई देवेश और भांजे वियान समेत बहन दीपिका व बहनोई संकेत वावाडिया मोटर साइकिल पर घर से निकले थे। रास्ते में मोटा वराछा क्षेत्र के रिंग रोड स्थित दुखिया के दरबार सर्कल के निकट मोटर साइकिलें पार्क कर सभी लोग बातचीत में व्यस्त थे। उस वक्त तेज रफ्तार में आई होंडा सिटी कार ने परिवार के सात सदस्यों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बुरी तरह घायल परिवार के सदस्यों को लहुलूहान हालत में एम्ब्युलैंस 108 की मदद से प्राइवेट अस्पताल पहुंचाया गया। जहां 8 वर्षीय वियान को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। देवेश और तेजल की गंभीर हालत देखते हुए दोनों को आईसीयू वार्ड में भर्ती किया गया। जबकि संकेत वावडिया को सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसे सूरत के स्मिमेर अस्पातल रिफर किया गया। जहां देर रात संकेत की मौत हो गई। आज सुबह वियान के पिता देवेश वाघाणी की भी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में कार चालक को गिरफ्तार कर उसके ब्लड सैंपल जांच के लिए भेज दिए हैं। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि घटना के वक्त कार का ड्राइवर नशे में था या नहीं? प्राथमिक जांच में पता चला है कि कार ड्राइवर जिग्नेश गोहिल कैंसर पीड़ित अपने संबंधी को अहमदाबाद छोड़ने गया था और वहां से लौटते वक्त सूरत के मोटा वराछा क्षेत्र के रिंग रोड पर हादसा हो गया। कार चालक जिग्नेश गोहिल दर्जी का काम करता होने का जांच में पता चला है।

किन्नर बनकर शराब की तस्करी का पर्दाफाश,5 आरोपी गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) शराब तस्करी के लिए माफिया नित नए तरीके आजमाते हैं, लेकिन आखिरकार कानून के हत्थे चढ़ ही जाते हैं। सूरत में ऐसे नए तरीके से शराब तस्करी का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने 5 आरोपियों को रु. 3.15 के शराब और वाहन समेत गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक सूरत में पीसीबी ने पूर्व सूचना के आधार पर शहर के नानपुरा क्षेत्र के बाबाजी एपार्टमेंट के निकट रेड की। एपार्टमेंट के निकट कुछ खुलेआम विदेशी शराब की कटिंग कर रहे थे। पुलिस को देख वहां मौजूद शख्सों में भगदड़ मच गई। हांलाकि पुलिस ने वहां मौजूद आरोपियों को धर लिया। घटनास्थल से पुलिस ने ऑटो रिक्शा चालक अभय तीर्थराजसिंग, किन्नर वेषभूषा में मौजूद जिनेश जगदीश भावनगरी, अकबर अहसान शेख के अलावा मोपेड लेकर शराब लेने आए प्रशांत राकेशभाई कहार और गुंजन जीतुभाई कहार को गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा पुलिस ने घटनास्थल से ऑटो रिक्शा, दो मोपेड, 31500 कीमत की भारतीय बनावट की विदेशी शराब, 6 मोबाइल समेत कुल रु. 315800 का माल-सामान जब्त कर लिया। जांच में पता चला कि पुलिस से बचने के लिए किन्नर वेशभूषा में शराब तस्करी की जाती थी।

जामकंडोरणा के ग्रामीण इलाकों में डेढ़ इंच बारिश

जामकंडोरणा, ८ जून। अगले चार दिनों तक गुजरात के कई जिलों में बारिश की भविष्यवाणी की गई है। जिसके चलते आज गुजरात के डांग, वलसाड, सूरत, पंचमहल, छोटाउदेपुर और राजकोट जिले के जामकंडोरणा के चारेल गांव में मूसलाधार बारिश हुई है। छोटाउदेपुर जिले के बोडेली के चलामली और आसपास के इलाकों में बारिश से गर्मी से राहत मिली है। मध्य प्रदेश में भारी बारिश से उमठी में सापन नदी में ताजा पानी आ गया है। मानसून से पहले उमठी में सापन नदी बहती है तो नर्मदा बांध में पानी की आवक भी बढ़ गई है। बांध में ९४ हजार ४०५ क्यूसेक पानी की आवक हुई है। गिरिभाट सापुतारा में लगातार दूसरे दिन भी बारिश के मौसम से पर्यटक खुश दिखे। राजकोट जिले में मौसम में अचानक बदलाव के बाद जामकंडोरणा तालुक के ग्रामीण इलाकों में बारिश हुई है। जामकंडोरणा के चारेल, दड़वी गांव में बारिश हुई है। दड़वी, काना वडाला, चारेल गांव में तेज हवा के साथ बारिश का मौसम बना हुआ है। अनुमानतः १.५ इंच बारिश से चारेल गांव जलमग्न हो गया है। चारेल गांव में तेज हवाओं के कारण एक पेड़ भी गिर गया है। सुबह से असहनीय गर्मी के बाद झमाझम बारिश हुई। बारिश शुरू होने से वातावरण में ठंडक घुल गई है। लोगों को असहनीय गर्मी से राहत मिली है।

गुजरात में 14 जून को मानसून देगा दस्तक, आज राज्य के कई जिलों में हुई बारिश

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में आगामी 14 जून को मानसून का विधिवत आगमन हो जाएगा। यह भविष्यवाणी मौसम विभाग की है। इस बीच शनिवार को राज्य के कई जिलों में बारिश हुई है। कहीं तेज हवा और गरज के साथ बारिश की खबर है। जानकारी के मुताबिक आज राज्य के डांग, वलसाड, सूरत, पंचमहल, छोटाउदेपुर, राजकोट समेत कई जिलों में बारिश हुई है। राजकोट जिले के चरेल गांव में तेज हवा के साथ करीब 1.5 इंच बारिश होने से चहुं ओर पानी पानी हो गया। चरेल के अलावा राजकोट जिले की जामकंडोरणा तहसील के दडवी, काना वडाला समेत बरसाती माहौल कायम है। सुबह से भीषण गर्मी के बीच मूशलाधार बारिश होने से मौसम ठंडा हो गया है। गर्मी से उमस से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिली है। मौसम विभाग के मुताबिक गुजरात में आगामी चार दिन कई जिलों में बारिश की संभावना है। प्री मानसून एक्टिविटी और गुजरात पर साइक्लोनिक सक्र्युलेशन के चलते बारिश होगी। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को पंचमहल, महीसागर, वडोदरा, छोटा उदेपुर, दाहोद, वलसाड, नवसारी, डांग, सूरत, तापी, दमण और दादरानगर हवेली में बारिश हो सकती है। इसके अलावा गिर सोमनाथ, भावनगर और अमरेली में तीन दिन बारिश होगी। दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में थंडरस्ट्रोम की संभावना है। दूसरी ओर मौसम के जानकार परेश गोस्वामी ने बताया कि 14 जून को मानसून गुजरात में प्रवेश करेगा। उससे पहलेभी बारिश की संभावना है। गुजरात के कुछ इलाकों में बारिश की संभावना है। परेश गोस्वामी के मुताबिक गुजरात के भरूच, सूरत और वलसाड में बारिश के आसार है।

आग को लेकर लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है
स्कूल संचालक ध्यान दें! फायर ब्रिगेड की टीम कभी भी आ सकती है

अहमदाबाद, ८ जून। राजकोट गेमज़ोन के बाद ऐसा लग रहा है कि सभी सिस्टम को अलर्ट कर दिया गया है. केवल फायर सिस्टम स्थापित करने और फायर एनओसी प्राप्त करने से अग्नि दुर्घटनाओं को नहीं रोका जा सकेगा। आग से जुड़ी छोटी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, इसे ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद जिला शिक्षा अधिकारी की एक टीम और अहमदाबाद फायर ब्रिगेड की एक टीम ने शहर के स्कूलों में अग्नि सुरक्षा उपकरण और फायर एनओसी होने के बावजूद औचक जांच शुरू कर दी है अहमदाबाद के बोदकदेव इलाके के उदगाम स्कूल में कुछ लापरवाही सामने आई है और इन खामियों को तत्काल दूर करने के निर्देश अहमदाबाद जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से दिए गए हैं. राजकोट अग्निकांड के बाद सिस्टम एक्शन मोड में आ गया है. अहमदाबाद जिला शिक्षा अधिकारी रोहित चौधरी और अहमदाबाद फायर ब्रिगेड अधिकारी स्वास्तिक जड़ेजा की एक टीम ने शहर के विभिन्न स्कूलों में औचक निरीक्षण किया। जिसमें अहमदाबाद के बोदकदेव इलाके के उदगाम स्कूल और अहमदाबाद के नवरंगपुरा इलाके के नवकार स्कूल में चेकिंग की गई, अहमदाबाद जिला शिक्षा अधिकारी और फायर ब्रिगेड अधिकारी स्वास्तिक जाडेजा ने कहा कि इन स्कूलों में अग्नि सुरक्षा सुविधाएं हैं लेकिन कितनी खामियां हैं कुछ स्थानों पर आग की घटनाओं के कारण इन्हें तत्काल प्रभाव से हटाने का नोटिस जारी किया गया है। जिसमें नवकार स्कूल के पास फायर टनल एवं अद्यतन उपकरण उपलब्ध हैं। नवकार स्कूल की बेसमेंट पार्किंग का उपयोग मलबा रखने के लिए किया गया है। देखा गया कि पार्किंग स्थल बंद था और कुर्सियां, सामान व अन्य सामान रखा हुआ था। नवरंग स्कूल संचालकों को पार्किंग की जगह तुरंत खाली करने का निर्देश दिया गया है, वहीं स्कूल भवन की पांचवीं मंजिल पर एक शीट शेड पाया गया, जहां धुआं वेंटिलेशन का निर्देश दिया गया है। अहमदाबाद के उदगाम स्कूल में अग्निशमन विभाग के मुताबिक स्कूल में कई खामियां सामने आई हैं। उदगाम के पास फायर कॉरिडोर है लेकिन कई जगहों पर खामियां सामने आई हैं। विद्यालय के प्रशासनिक कार्यालय में अग्निशमन उपकरणों का अभाव पाया गया है. स्कूल भवन के अनुसार फायर लोड न होने की बात सामने आई है। अग्नि उपकरणों को रबर सीटों के पीछे रखा जाता है। देखने में आया है कि स्कूल में लैब में एक ही गेट है।

7.20 लाख के एमडी ड्रग्स के साथ महिला गिरफ्तार, फरार आरोपियों की तलाश तेज

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के कारंज इलाके की एक महिला को रु. 7.20 लाख 72 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया है। अहमदाबाद जोन 2 एलसीबी और शाहपुर पुलिस ने पूर्व सूचना के आधार पर यह कार्यवाही की है। महिला के खिलाफ एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज आगे की जांच की जा रही है। प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक अहमदाबाद के कारंज इलाके में परवीन बानू कुरैशी नाम की महिला के पास एमडी ड्रग्स होने की सूचना मिलने के बाद जोन 2 एलसीबी और शाहपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। इसके अंतर्गत कारंज इलाके से परवीन बानू कुरेशी नामक महिला को गिरफ्तार कर लिया। महिला आरोपी के पास से 72 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स जब्त किया गया। महिला आरोपी के पास से बरामद ड्रग्स की कीमत लगभग रु. 7.20 बताई गई है। पुलिस ने परवीन बानू कुरेशी के खिलाफ एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज कर इस मामले में फरार 2 आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। परवीन बानू को ड्रग्स कहां से मिला? नशीले पदार्थों की तस्करी में कौन कौन शामिल है? इस ड्रग रैकेट के पीछे कौन सा गिरोह है? समेत पुलिस ने विभिन्न दिशाओं में जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने शराब हेराफेरी करते में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है

सूरत, ८ जून। नजरम पुलिस ने सूरत में किन्नर बनकर भारत में बनी विदेशी शराब की तस्करी कर रहे पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपी पिछले तीन महीने से ऑटोरिक्शा से सूरत से दमन तक शराब लाता था और सूरत में चोरी-छिपे बेचता था। आरोपियों का मानना था कि अगर वे किन्नर का वेश धारण करते तो पुलिस उन्हें नहीं रोकती। आपको बता दें कि इसी तरह पिछले तीन महीने में तीन बार दमन से शराब लाई गई थी।

घटना की विस्तृत जानकारी में जाएं तो आरोपी जेनिश जगदीशभाई भावनगरी और अकबर अहसान शेख दोनों आरोपी किन्नर बनकर शराब की तस्करी कर रहे थे और उसे चोरी-छिपे सूरत में बेच रहे थे।

इस संबंध में डीसीपी विजयसिंह गुर्जर ने बताया कि नाजराम पुलिस ने विदेशियों के भेष में भारत निर्मित विदेशी शराब की तस्करी करने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के मुताबिक, किन्नर का भेष बदलने पर पुलिस ने उन्हें नहीं रोका। तो पिछले तीन महीने में तीन बार दमन से शराब लाई गई आरोपी जेनिश जगदीशभाई भावनगरी और अकबर अहसान शेख दोनों आरोपी किन्नर के भेष में थे। उनके साथ अभय तीर्थराज सिंह भी हैं जो एक ऑटोरिक्शा चालक हैं। जो सचिन में रहता है और वहीं पर आरोपी जनीश और अकबर किन्नर बनकर दमन शराब खरीदने जाते थे। इसके अलावा जिन आरोपियों को शराब मिली उनका नाम प्रशांत राकेशभाई कहार और गुंजन जीतूभाई कहार है। खास बात यह है कि पुलिस ने सभी आरोपियों के पास से ३,१५,८००रुपये की शराब और ऑटो रिक्शा जब्त किया है। फिलहाल सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है और आगे की जांच की जा रही है।

आरोपियों ने सारण के साथ बाइक भी चोरी की

सूरत, ८ जून। सूरत कपड़ा बाज़ार और हीरा बाज़ार के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे कई कारीगर हैं जो रोजाना कई हीरे पीसकर अपनी रोजी रोटी कमाते हैं। सूरत के हीरों की चमक से आज भी पूरी दुनिया चकाचौंध है। दुनिया के लगभग १० में से ९ हीरे सूरत में ही तराशे जाते हैं। सूरत में सारण पर हीरे घिसे जाते हैं। फिर इस आश्रय को समय-समय पर ताज़ा करने की आवश्यकता होती है। जब सारन पक जाता है तो उसे दुकान के बाहर रख दिया जाता है।

ऐसे में एक बदमाश की उन पर नजर पड़ गई और उन्होंने दुकान के बाहर से मनचाहा पनाह चुराने की योजना बना डाली। बाद में पता चला कि वही सारण सस्ते दाम पर बेचा जा रहा था। घटना के विवरण के मुताबिक कापोद्रा थाना क्षेत्र में बड़ी संख्या में हीरे की फैक्ट्रियां स्थित हैं। इसके साथ ही यहां हीरा कारखानों में इस्तेमाल होने वाले सारन के प्रसंस्करण की दुकानें भी हैं। इन दुकानों में आश्रय खाने के बाद इसे दुकान के बाहर रखा जाता है। वैसे भी यह सारण किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया था।

इसके अलावा सारण ले जाने के लिए दो बाइक भी चोरी की गयी थी। गुप्त सूचना पर आरोपी को दो बाइक समेत करीब १० सामान के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी आजीविका के लिए चोरी करता था। कापोद्रा पुलिस ने उसके पास से १ लाख से ज्यादा की रकम बरामद की।

एएमटीएस बस चालक के लापरवाह होने की घटना सामने आई है

अहमदाबाद, ८ जून। अहमदाबाद शहर में रूज्ञस बस ड्राइवर के लापरवाह होने की घटना सामने आई है। सड़क पर दौड़ रही एक बस के सोसायटी में घुसने की घटना सामने आई है। बोपल के वकील साहब ब्रिज के पास ड्राइवर भान भुल गया और अनियंत्रित बस आबादनगर में जा घुसी।

बस चालक ने सड़क पर नहीं बल्कि सोसायटी में बस चला दी। एएमटीएस बस सोसायटी में प्रवेश करते ही निवासियों की जान सांसत में थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक बस ड्राइवर नशे में बताया जा रहा है। बस ड्राइवर की पिटाई का वीडियो भी सामने आया है. घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग बस के पास जमा हो गए। दूसरी ओर, बस में सवार यात्री ने एएमटीएस शिकायत नंबर पर कॉल किया तो नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। एएमटीएस हेल्पलाइन में यात्री को ड्राइवर की ओर मुंह करके बस में बैठने को कहा गया. चासजी हेल्पलाइन पर कॉल कर कहा गया कि जब आप बस में बैठे तो आपको पता नहीं चला कि ड्राइवर नशे में है या नहीं? यात्री द्वारा की गई कॉल के दौरान बस कंडक्टर और एएमटीएस के कॉल ऑपरेटर के बीच हुई बातचीत का ऑडियो वायरल हो गया है। इसके साथ ही बातचीत में कंडक्टर ने स्वीकार किया कि बस ड्राइवर नशे में था। बातचीत में बताया गया है कि बस ड्राइवर डबल शिफ्ट कर शाम को शराब पीने चला गया था. कॉल ऑपरेटर ने आक्रामक तरीके से बात की और यात्री को शांत रहने के लिए कहा। साथ ही ब्रेथ एनालाइजर से कर्मचारियों की जांच करने के एएमटीएस के दावे की भी पोल खुल गई है. जहां तक ??निजी ऑपरेटरों के कर्मचारियों के प्रशिक्षण की बात है, एएमटीएस प्रणाली के अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षण की आवश्यकता है। अब सवाल यह है कि क्या यात्री से गलत तरीके से बात करने वाले कर्मचारी पर कार्रवाई होगी?

दो शख्सों ने तीक्ष्ण हथियार से गोदकर युवक की हत्या, नाजायज संबंधों में हत्या की आशंका

जामनगर (ईएमएस) शहर के धरारनगर क्षेत्र के वीर सावरकर आवास योजना में रहनेवाले एक युवक की देर रात दो शख्सों ने तीक्ष्ण हथियार से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस की प्राथमिक जांच में युवक की हत्या नाजायज संबंधों को लेकर की गई होने की आशंका है। पुलिस ने मृतक की पत्नी की भूमिका को लेकर भी जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक जामनगर के धरारनगर क्षेत्र के वीर सावरकर आवास योजना के फ्लैट की चौथी मंजिल पर रहनेवाले इकबाल गनीभाई कुरैशी नामक 35 वर्षीय युवक की बीती रात घर में घुसकर दो शख्सों ने हत्या कर दी। तीक्ष्ण हथियारों से गोदकर इकबार की हत्या कर आरोपी मौके से फरार हो गए। मृतक के भाई गुलामहुसैन कुरैशी की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और दो शख्सों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की। प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ कि मृतक इकबार की पत्नी करिश्मा के नवागाम घेड क्षेत्र में रहनेवाले इम्तियाज नामक शख्स से नाजायज संबंध थे और उसी वजह से इकबाल की हत्या किए जाने की आशंका है। मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने इम्तियाज बशीरभाई जोखिया और उसके साथी किशन के खिलाफ हत्या का केस किया है। इकबाल की हत्या में उसकी पत्नी करिश्मा की भूमिका भी संदिग्ध होने से पुलिस ने इस दिशा में भी जांच शुरू की है। बताया जाता है कि इकबाल ड्राइविंग करता था और उसकी करिश्मा से तीन संतानें हैं। जिसमें एक संतान इकबाल की माता के पास रहती है और दूसरे करिश्मा के साथ तथा तीसरी संतान मृतक के भाई के साथ। करिश्मा अपने पति से अलग नवागाम घेड क्षेत्र में रहती है, जहां इम्तियाज भी रहता है। पुलिस को आशंका है कि नाजायज संबंधों के चलते इकबाल की हत्या की गई है।

इनऑर्बिट मॉल वडोदरा जून के महीने को शानदार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है

वडोदरा, 7 जून, 2024: इनऑर्बिट मॉल वडोदरा अपने आगंतुकों के लिए शानदार कार्यक्रमों और गतिविधियों की एक श्रृंखला के साथ जून का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह महीना सिर्फ मौज-मस्ती और उल्लास का ही नहीं, बल्कि समाज को कुछ वापस देने का भी है। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर मॉल 12 जून को भाई लाल अमीन अस्पताल के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन कर रहा है। फादर्स डे के बारे में बात करते हुए, मॉल ने फूड कोर्ट में आगंतुकों के लिए अपने पिता के साथ मधुर क्षणों को कैद करने के लिए एक आकर्षक फोटो अवसर की व्यवस्था की है, इसके अलावा, शॉपर्स स्टॉप, मैक्स, पैंटालून, मार्क्स एंड स्पेंसर और मिस्टर की ओर से अद्वितीय ऑफर भी हैं अरुभ्क ब्रांड, जिसका कोई भी लाभ उठा सकता है और अपने

पिता के लिए एक उत्तम उपहार प्राप्त कर सकता है! मॉल ने हाल ही में 5 जून को मनाए गए विश्व पर्यावरण दिवस को चिह्नित करने के लिए कई दिलचस्प गतिविधियों का आयोजन किया। मॉल ने 'गुटली रिटर्न्स' अभियान के लिए रेड एफएम के साथ सहयोग किया, साथ में उन्होंने 12,000 गुठली एकत्र की, इन गुठली को पौधों में विकसित किया और आम के बागान को बढ़ावा देने के लिए किसानों को वितरित किया। अंत में, इनऑर्बिट मॉल ने पुनर्नवीनीकरण सामग्री से एक रोबोट विकसित करने के लिए एमएस विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय के साथ साझेदारी की। इसका उद्देश्य एकल-उपयोग वाली वस्तुओं के खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करना था, यह कला रूप दो छात्रों, कियारा चौहान और हिमानी हलकुंडे द्वारा बनाया गया था।

पश्चिम रेलवे-वडोदरा मंडल

'ई' निविदा नोटीस

विद्युत (पावर) विभाग

निविदा आमंत्रित नोटिस संख्या: EL/50/1/10 (24-25) दिनांक 05.06.2024 भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/ पावर) पश्चिम रेलवे वडोदरा मंडल भारतीय रेल की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर निम्निलिखित कार्य के लिये अनुभवी तथा विश्वसनीय संविदाकारों से ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं.1: निविदा संख्या: BRC-EL-P-11-2328-24-25, कार्य का नाम:** वडोदरा मंडल: RUBs पर ड्रेनेज सुविधाओं के सुधार के संबंध में विद्युत कार्य और बचे हुए शेष कार्य मियागाम करजण-डभोई गेज परिवर्तन परियोजना में। **अनुमानित लागत (₹):** 50,06,997.00 **ईएमडी (₹):** 1,00,100.00 **निविदा शुल्क (₹):** NIL, **ई-निविदा बंद करने की तिथि:** 28/06/2024, **वेबसाईट विवरण: www.ireps.gov.in** 070

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे-वडोदरा मंडल

ओपन 'ई' टेंडर नोटिस

निविदा सूचना सं. ईएल/टीआरडी/टेंडर/ 24-25/04, भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (कर्षण वितरण) वडोदरा द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। **क्र. सं. 1- निविदा संख्या और कार्य का नाम: ईएल/टीआरडी/ टेंडर/ 24-25/04,** वडोदरा डिवीजन के वडोदरा-दभोई खंड में 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज के प्रावधान और अन्य संबद्ध ओएचई गतिविधि के संबंध में ओएचई में परिवर्धन और परिवर्तन। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 65,58,617.60/- **बोली प्रतिभूति:** ₹ 1,31,200/- **निविदा की राशि एवं कार्य समापन की अवधि:** कार्य समापन की अवधी 12 माह, **निविदा की समय सारणी:** निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय 05.07.2024 15:00 बजे। **वेबसाइट विवरण और सूचना का लोकेशन जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता विवरण जानकारी के लिए:** वेबसाइट विवरण **www.ireps.gov.in** मंडल रेल प्रबंधक (कर्षण वितरण) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा - 390 004
(EL/TRD/Tender/24-25/04 dtd. 05/06/2024) 071

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96